LKS
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com
दैनिक लोकतंत्र की शान
दिल्ली से प्रकाशित
बुधवार 21 जनवरी 2026
लोकतंत्र का स्तंभ

मैं भाजपा कार्यकर्ता, नितिन नवीन मेरे बॉस : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को बधाई देते हुए खुद को पार्टी का कार्यकर्ता बताया और कहा कि जब पार्टी के विषयों की बात आती है तो नितिन नवीन उनके बॉस हैं। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित समारोह में नितिन नवीन ने पार्टी अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "मैं भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता हूं, यह मेरा सबसे बड़ा गर्व है। जब पार्टी की बात आती है तो नितिन नवीन जी मेरे बॉस हैं।" उन्होंने कहा कि भाजपा में पद बदलते हैं लेकिन आदर्श नहीं बदलते, नेतृत्व बदलता है लेकिन दिशा नहीं बदलती। भाजपा एक परिवार है, जहां मेंबरशिप से ज्यादा रिलेशनशिप का महत्व है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नितिन नवीन का दायित्व सिर्फ भाजपा तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी साथियों के बीच तालमेल बनाए रखना भी उनकी बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा जोश और अनुभव के साथ नितिन नवीन पार्टी की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने संगठन पर्व की चर्चा करते हुए कहा कि पार्टी के संविधान की भावना के अनुरूप, शत-प्रतिशत लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत यह चुनाव संपन्न हुआ है। यह भाजपा की लोकतांत्रिक आस्था, संगठनात्मक अनुशासन और कार्यकर्ता-केंद्रित सोच का प्रतीक है। उन्होंने देशभर के कार्यकर्ताओं को इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए बधाई दी। मोदी ने कहा कि भाजपा एक संस्कार है और जीवन भर की जिम्मेदारी का भाव लेकर चलने वाला संगठन है। उन्होंने कहा, "हमारे यहां पदभार एक व्यवस्था है और कार्यभार जीवन भर की जिम्मेदारी है।" प्रधानमंत्री ने भाजपा के पूर्व अध्यक्षों- अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, वेंकैया नायडू, नितिन गडकरी, राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा के योगदान को स्मरण करते हुए उनका अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री ने अपने राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए कहा कि तीन बार प्रधानमंत्री बनना या 25 वर्षों तक सरकार का नेतृत्व करना महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे भी बड़ा गर्व उनके लिए भाजपा का कार्यकर्ता होना है। उन्होंने कहा कि नितिन नवीन उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने रेडियो से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक का दौर देखा है। उनके पास युवा ऊर्जा के साथ अनुभव भी है। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के अगले 25 वर्ष भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और यही वह कालखंड है जब विकसित भारत का निर्माण होना है। इस दौर की शुरुआत में नितिन नवीन भाजपा की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने भाजपा की चुनावी सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहना आम तौर पर कठिन होता है, लेकिन भाजपा ने इस धारणा को तोड़ा है।

भाजपा में राजनीति पदभार नहीं, उत्तरदायित्व हैः नितिन नबीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों की भावनाओं से जुड़ने वाला ही बड़ा बन सकता है। कार्यकर्ता के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी के देशसेवा के काम को करते हुए देखा है। उनसे सीखा है कि जो व्यक्ति खुद को लोगों की भावनाओं से जुड़ने वाला बना सकता है, वही बड़ा शख्स बनता है। भाजपा में राजनीति पदभार नहीं उत्तरदायित्व है। नितिन नबीन ने मोदी के साथ एक कार्यक्रम में बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, ''मुझे याद है कि जब मैंने पहली बार गुजरात के आणंद में आपके साथ एक कार्यक्रम में भाग लिया था। उस वक्त मैंने सद्भावना मिशन कार्यक्रम के दौरान आपको प्रत्येक व्यक्ति की बात ध्यान से सुनते हुए देखा था। कार्यक्रम खत्म होने के बाद, जब आपने अपने कक्ष में हमसे बात की तो आपने बड़ी भावुकता से समझाया कि गुजरात से इतने सारे लोग क्यों आए थे। उस दिन मुझे समझ आया कि एक व्यक्ति तभी महान बनता है, जब वह जनता की भावनाओं से जुड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है, तो इसकी वजह हमारा प्रेरणादायी नेतृत्व है, हमारी विचारधारा और कार्यकर्ताओं की मेहनत है। वो कार्यकर्ता, जो अनवरत काम करता है, जो कठिन से कठिन परिस्थिति में भी भारत का ध्वज झुकने नहीं देता है, जो सीना ठोक कर कहता है, तेरा वैभव अमर रहे माँ। नबीन ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि तमिलनाडु की एक पहाड़ी पर पवित्र कार्तिगै दीपम पर्व को रोकने की कोशिश की गयी। यह कोई एकमात्र घटना नहीं है; विपक्ष ने और भी कई बातों को रोकने की साजिश रची है। एक न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग लाने का प्रयास किया गया। सोमनाथ में गौरव पर्व को मनाने से विपक्षी दलों के लोगों को असहजता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसी परंपराओं को रोकने की कोशिश करने वाली शक्तियों का सामना करना आवश्यक है। सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि राम सेतु के अस्तित्व से इनकार करने वाले और कार्तिगै दीपम पर्व का विरोध करने वालों के लिए भारतीय राजनीति में कोई स्थान न हो। नबीन ने कहा कि आने वाले कुछ महीनों में तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होने जा रहे हैं और इन राज्यों की जनसांख्यिकी पर व्यापक चर्चा हो रही है। बदलती जनसांख्यिकी वहां की स्थिति को बदल रही है और यह हमारे लिए एक चुनौती है लेकिन पूरा भरोसा है कि भाजपा कार्यकर्ता अपने संघर्ष और कड़ी मेहनत के बल पर पार्टी को इन सभी पांचों राज्यों में सफलता दिलाएंगे। उल्लेखनीय है कि 1980 में जन्में नितिन नबीन ने अपनी राजनीतिक यात्रा की नींव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कड़े अनुशासन और अटूट राष्ट्रभक्ति से रखी। बीते दो दशकों में उन्होंने अपनी मेहनत और दूरदर्शिता से भाजपा संगठन में एक साधारण कार्यकर्ता से लेकर पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी तक का सफर तय किया है।

भारत और यूएई समझौता

2032 तक व्यापार को 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों ने सोमवार को एक नया मुकाम हासिल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक में दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2032 तक दोगुना कर 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया। वित्त वर्ष 2024-25 में यह व्यापार पहले ही 100 अरब डॉलर के आंकड़े को छू चुका है, जो 2022 में हुए व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) की सफलता को दर्शाता है। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को वैश्विक बाजार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। इसके लिए 'भारत मार्ट', 'वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर' और 'भारत–अफ्रीका सेतु' जैसी पहलों को शीघ्र लागू करने का आह्वान किया गया है, ताकि भारतीय उत्पाद मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरेशिया तक आसानी से पहुंच सकें। साथ ही, गुजरात के धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र में यूएई की संभावित भागीदारी पर भी चर्चा हुई। इस परियोजना के तहत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, स्मार्ट सिटी, रेलवे कनेक्टिविटी और ऊर्जा बुनियादी ढांचे जैसे बड़े रणनीतिक ढांचे विकसित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने यूएई के सॉवरेन वेल्थ फंड्स को 2026 में प्रस्तावित दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर फंड में निवेश के लिए आमंत्रित किया। वित्तीय क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करते हुए गिफ्ट सिटी (गुजरात) में डीपी वर्ल्ड और फर्स्ट अबू धाबी बैंक (एफएबी) की शाखाओं की स्थापना का स्वागत किया गया। यह कदम भारतीय निवेशकों को खाड़ी देशों और उत्तरी अफ्रीका के बाजारों से जोड़ने में सेतु का कार्य करेगा। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और एडीएनओसी गैस के बीच 10 वर्षीय एलएनजी आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं, जिसके तहत 2028 से प्रति वर्ष 0.5 मिलियन टन गैस की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, दोनों देश उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकियों, स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स (एसएमआर) और परमाणु संयंत्रों के रखरखाव में सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर भी सहमत हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी पावर को केंद्रित रखना और गरीबों को भूखे मरते देखना चाहते हैं : राहुल गांधी

रायबरेली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर हैं, जहां पार्टी द्वारा आयोजित मनरेगा चौपाल में हिस्सा लिया और केंद्र की बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सरकार पर मनरेगा की मूल भावना को कमजोर करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने रोहनिया ब्लॉक के ऊंचाहार क्षेत्र में मनरेगा बचाओ चौपाल की अध्यक्षता करते हुए ग्रामीणों और श्रमिकों से संवाद किया। राहुल ने कहा कि मनरेगा का जो कॉन्सेप्ट बना, उसके पीछे दो मुख्य लक्ष्य थे। पहला- सरकार की नीति के तहत ग्राम पंचायतों जैसी लोकल गवर्नमेंट को थोड़ी जिम्मेदारी देनी चाहिए और उन्हें फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी दी जाए। वहीं दूसरा लक्ष्य था कि हिंदुस्तान के गरीब लोग, खासकर कम उम्र के लोग, उनके लिए एक न्यूनतम वेतन बने जिससे उनका लाभ हो, लेकिन नरेंद्र मोदी ये नहीं चाहते। वह पावर को केंद्रित रखना चाहते हैं और गरीबों को भूखे मरते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मामला सिर्फ नाम बदलने का नहीं है।

वंदे मातरम् गायन और सक्रीन टाइम कम करने को लेकर अभियान चलाएगी अभाविप

पणजी/नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) आने वाले कुछ महीनों में छात्रावास सर्वेक्षण, परिसर-परिसर वंदेमातरम जैसे अभियान चलाकर युवाओं को जागरुग करने के साथ राष्ट्रीय एकता से जोड़ेगी। इसके अलावा अपने 'स्क्रीन टाइम से एक्टिविटी टाइम' अभियान को व्यापक स्तर पर लागू कर युवाओं को डिजिटल लत से बाहर निकालेगी। 15 फरवरी से 15 मार्च तक देशभर में 'छात्रावास सर्वेक्षण अभियान' संचालित किया जाएगा, वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में 23 मार्च से 15 अगस्त तक देशभर के शैक्षिक परिसरों में 'परिसर–परिसर वंदे मातरम्' कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसके माध्यम से युवाओं में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक चेतना को जागृत किया जाएगा। साथ ही, राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर प्रारंभ किए गए 'स्क्रीन टाइम से एक्टिविटी टाइम' अभियान को व्यापक स्तर पर लागू करते हुए युवाओं को डिजिटल लत से बाहर निकालकर खेल, सामाजिक सहभागिता, रचनात्मक एवं शारीरिक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य भी अनेकानेक कार्यक्रमों के माध्यम से वर्ष भर किया जाएगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की दो दिवसीय केन्द्रीय कार्यसमिति बैठक 17 एवं 18 जनवरी को गोवा के जांबावली स्थित श्री दामोदर संस्थान में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक के समापन के उपरांत आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने बैठक में हुए विचार-विमर्श, निर्णयों तथा आगामी कार्ययोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

सालों से मुसलमानों के दिल में कांग्रेस ने जहर घोल : रिजिजू

एजेंसी। नई दिल्ली

एक कार्यक्रम में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता किरेन रिजिजू लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से लेकर मुसलमानों तक पर बात की। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मैंने अल्पसंख्यक मंत्री होकर मुसलमानों के लिए बहुत काम किया है। मुझसे पहले किसी भी मंत्री ने इसतरह के काम नहीं किए। हज और उमराह को आसान बनाया। वहीं राहुल गांधी पर उन्होंने मजाक में कहा कि घर आने का न्यौता दिया था। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा ही बीजेपी पार्टी का संविधान बहुत सख्त है। बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की प्रक्रिया नियम के मुताबिक होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्ताक्षर होने से पहले नॉमिनेशन फॉर्म को बहुत ध्यान से चेक करना होता है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, नितिन नबीन को पार्टी अध्यक्ष बनाने के लिए इंटरनल मैकेनिज्म पर काम किया गया था। बहुत लोगों की इच्छा होती है पार्टी अध्यक्ष बनना, लेकिन जिम्मेदारी चुनिंदा व्यक्ति को ही मिलती है, जो कसौटी पर खरा उतरता है। गौरतलब है कि पार्टी युवा नेतृत्व चाहती थी, इस वजह से भी नितिन नबीन का नाम आगे किया गया। जब किरेन रिजिजू से पूछा गया कि युवा आप भी हैं, तब उन्होंने हंसकर जवाब दिया कि मैं अब इतना युवा नहीं हूं।

पुस्तकालय सामाजिक परिवर्तन के सशक्त माध्यम : उपराष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों के संग्रहालय नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाले और सामाजिक परिवर्तन के सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने यह विचार नई दिल्ली के किंग्सवे कैंप में स्थित ऐतिहासिक गांधी आश्रम में हरिजन सेवक संघ के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उपराष्ट्रपति आज गांधी आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने महादेव देसाई पुस्तकालय के विस्तार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम परिसर में स्थित कस्तूरबा संग्रहालय का भी दौरा किया, जहां महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी 1930 और 1940 के दशक में दिल्ली आने पर रुके थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आश्रम में महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी के सादे जीवन को देखकर गहरी भावनात्मक अनुभूति होती है, जो त्याग, सेवा और दृढ़ संकल्प की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि महादेव देसाई पुस्तकालय का विस्तार केवल एक भौतिक संरचना का विस्तार नहीं है, बल्कि यह उस विचार का पुनः सुदृढ़ीकरण है कि ज्ञान ही समाज को आगे बढ़ाने की सबसे मजबूत शक्ति है। पुस्तकालय विचारों को जागृत करते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाते हैं। महात्मा गांधी के जीवन का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय किसानों की गरीबी से साक्षात्कार के बाद गांधीजी ने पाश्चात्य परिधान त्यागकर केवल धोती धारण करने का संकल्प लिया। यह परिवर्तन जनसामान्य से जुड़ने और उनके उत्थान के लिए आजीवन समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने स्वदेशी आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधीजी ने भारत के कच्चे माल को विदेश भेजकर तैयार माल के रूप में वापस बेचने की नीति का विरोध किया और स्वदेशी को बढ़ावा दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि महात्मा गांधी द्वारा स्थापित हरिजन सेवक संघ ने शिक्षा, जागरूकता और सेवा के माध्यम से छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। किसी व्यक्ति की पहचान उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से होती है। पूर्व राष्ट्रपति के.आर. नारायणन के जीवन का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हरिजन सेवक संघ ने उनकी शिक्षा और जीवन यात्रा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विश्वास जताया कि संघ आगे भी ऐसे अनेक व्यक्तित्व तैयार करेगा, जो समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा बनेंगे। उपराष्ट्रपति ने समाज और व्यक्ति के परस्पर संबंध पर जोर देते हुए कहा कि समाज व्यक्ति को गढ़ता है और व्यक्ति का दायित्व है कि वह समाज को लौटाए।

सबरीमाला चोरी कांडः ईडी ने 3 राज्यों में 21 ठिकानों पर की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग की जांच तेज

तिरुवनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज मंगलवार को सबरीमाला मंदिर से जुड़े सोने की चोरी के मामले में अपनी जांच का दायरा बढ़ाते हुए केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में एक साथ बड़ी कार्रवाई की है। कथित मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से की जा रही इस जांच के तहत तीनों राज्यों में कुल 21 स्थानों पर छापेमारी की गई। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में गठित एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) पहले से ही इस मामले की आपराधिक जांच कर रही है।इस हाई-प्रोफाइल मामले में एसआईटी अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, जो वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी की ताजा छापेमारी का मुख्य उद्देश्य अपराध से अर्जित धन के लेन-देन और संपत्ति छिपाने के सुराग ढूंढना है। जांच एजेंसी ने इस संबंध में एक एनफोर्समेंट केस इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है। मंगलवार सुबह शुरू हुई इस तलाशी अभियान के केंद्र में मुख्य आरोपी और उनसे जुड़े संदिग्ध रहे। ईडी के अधिकारियों ने मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी, सीपीआई(एम) नेता मुरारी बाबू, ए पद्मकुमार और एन वासु के ठिकानों पर सघन तलाशी ली।

भारत के जेम्स बॉन्ड, पाकिस्तान में रहे अंडरकवर एजेंट मुस्लिम बन कर घूमे

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल मंगलवार को अपना 81वां जन्मदिन मनाया है। सर्जिकल स्ट्राइक हो या फिर बालाकोट एयर स्ट्राइक। देश की हर सुरक्षा से संबंधित हर घटना में डोभाल का नाम सुनने को मिलता है। बता दें उनको भारत का जेम्स बॉन्ड भी कहा जाता है। वहीं अजीत डोभाल पाकिस्तान में अंडरकवर एजेंट भी रह चुके हैं। बता दें उत्तराखंड की पौड़ी गढ़वाल में 20 जनवरी 1945 को अजीत डोभाल का जन्म हुआ था। उनके पिता सेना में अधिकारी थे। वहीं साल 1969 में केरल बैच के आईपीएस अधिकारी रहे अजीत डोभाल साल 1972 में इंटेलिजेंस ब्यूरो से जुड़ गए। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के लाहौर में भारतीय दूतावास में 6 साल सेवाएं दी थीं। पाकिस्तान में रहकर जानकारियां हासिल करने के लिए डोभाल लाहौर की गलियों में मुस्लिम बनकर घूमते थे। इसके साथ ही वह पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों के खिलाफ उसको युद्ध की खुली चुनौती भी दे चुके हैं। अजीत डोभाल सालों तक पाकिस्तान में बतौर अंडरकवर एजेंट की भूमिका में रहे।

'अमेरिका फर्स्ट' से 'अमेरिका अकेला' : ट्रंप के एक साल का हिसाब

एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल को एक साल पूरा हो गया है। यह एक साल अमेरिका और पूरी दुनिया के लिए काफी हलचल भरा रहा। 20 जनवरी 2025 को सत्ता में आने के बाद ट्रंप ने "अमेरिका फर्स्ट" नीति को तेजी और सख्ती से लागू किया। इससे उनके समर्थकों को कुछ तात्कालिक फायदे जरूर दिखे, लेकिन अमेरिका की वैश्विक पकड़ कमजोर हुई और दुनिया में बहुध्रुवीय व्यवस्था यानी कई शक्तिशाली देशों के उभरने की प्रक्रिया तेज हो गई। देश के अंदर ट्रंप सरकार ने पहले ही साल में 225 से ज्यादा कार्यकारी आदेश जारी किए। इमिग्रेशन उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता रही। एक साल में करीब 6 लाख लोगों को अमेरिका से बाहर निकाला गया। सीमा सुरक्षा के नाम पर कई शहरों में नेशनल गार्ड तैनात किए गए। समर्थकों ने इन कदमों को सख्त और जरूरी बताया, लेकिन परिवारों के अलग होने, गलत गिरफ्तारी और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों से सरकार की कड़ी आलोचना हुई। लॉस एंजिलिस, मिनियापोलिस और अन्य शहरों में बड़े विरोध प्रदर्शन हुए। आर्थिक मोर्चे पर टैक्स में कटौती, ऊंचे टैरिफ और सरकारी खर्च घटाने से कुछ इलाकों में उद्योगों को बढ़ावा मिला, लेकिन इसके साथ ही महंगाई भी बढ़ी। मध्यम वर्ग और गरीब तबके पर इसका सीधा असर पड़ा। सरकारी विभागों में छंटनी और लगातार नीतिगत बदलावों से प्रशासनिक व्यवस्था कमजोर हुई। विदेश नीति में ट्रंप ने एकतरफा रुख अपनाया। कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से दूरी बनाई, सहयोगी देशों पर टैरिफ की धमकी दी और सैन्य कार्रवाइयां कीं। इससे अमेरिका के पुराने सहयोगी नाराज हुए। दूसरी ओर चीन, रूस और ब्रिक्स देशों की भूमिका मजबूत होती चली गई, जिससे वैश्विक संतुलन बदलने लगा। ट्रंप की नीतियों के खिलाफ देश के भीतर बड़े जन आंदोलन खड़े हुए।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

अमेरिका और विश्व में अलग-थलग पडे ट्रंप, गैंगस्टर की छवि?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की छवि सारी दुनिया में एक गैंगस्टर के रूप में बन रही है। जो अपनी सत्ता और ताकत के बल पर सारी दुनिया के देशों में कब्जा करना चाहते हैं। वह दादागिरी के बल पर शांति के मसीहा बनना चाहते हैं। ट्रंप को लगता है, उनके पास ईश्वरी शक्तियां आ गई हैं। वह जो चाहे वह कर सकते हैं। वह अमेरिका के संविधान में संशोधन कर तीसरी बार राष्ट्रपति बनना चाहते हैं। राष्ट्रपति पद के दूसरे कार्यकाल में वह अपने परिवार के लोगों को सारी दुनिया के देशों में स्थापित करने की तैयारी में लगे हुए हैं। उनकी नीतियों के कारण अमेरिका और विश्व में उनका विरोध दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर जो अभियान छेड़ा है, उसे लेकर यूरोपीय और अन्य देशों पर जिस तरह का टैरिफ लगाया गया है, उसके कारण दुनिया भर के शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी जा रही है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल का दूसरा वर्ष शुरू हो गया है। जब से वह दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं सारी दुनिया के देशों को टैरिफ के नाम पर वह धमका रहे हैं। दुनिया के 91 देशों के ऊपर अमेरिका ने टैरिफ की तलवार लटका रखी है। अमेरिका में महंगाई बढ़ती ही जा रही है। ईरान में अमेरिका को कड़ा झटका लगा है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का जिस तरह से अपहरण कर अमेरिका की जेल में बंद करके रखा गया है, उससे ट्रंप और अमेरिका की साख सारी दुनिया में गिर गई है। ग्रीनलैंड में कब्जे और यूक्रेन को लेकर जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो और यूरोपीय देशों को अपने निशाने पर लिया है, उसके बाद अमेरिका का विरोध यूरोप के देशों में बढ़ता जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ महंगाई के कारण ट्रंप अपने ही देश में अलोकप्रिय होते जा रहे हैं। हाल ही में हुए सर्वे में 58 फीसदी अमेरिकी नागरिकों ने ट्रंप की नीतियों को अमेरिका के खिलाफ बताया है। राष्ट्रपति ट्रंप के कई फेसलों पर अमेरिका की विभिन्न कोर्टों ने रोक लगा दी है। एजुकेशन, क्लीन एनर्जी और ग्रीन ट्रांजैक्शन से जुड़ी सहायता को अमेरिका ने रोक दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय विदेशी सहायता कार्यक्रम को रोक दिया है। यहां तक की वैश्विक संस्थाओं को अमेरिका द्वारा जो सहायता दी जा रही थी। उसको रोककर संस्थाओं से अलग होने की नई प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसके कारण डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका का विरोध सारी दुनिया के देशों में बढ़ता जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ, इमीग्रेशन, रक्षा और एनर्जी के क्षेत्र में जिस तरह से यूरोपीय और नाटो देशों को नाराज किया है। इसका असर नवंबर माह में होने वाले मिड टर्म चुनाव में देखने को मिल सकता है। सर्वे के अनुसार ट्रंप संसद में अपना बहुमत खो सकते हैं। इस बात की आशंका भी जताई जा रही है। ट्रंप मिड टर्म चुनाव को टाल भी सकते हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

कर्नाटक में अश्लील वीडियो कांड पर सरकार का एक्शन, डीजीपी रामचंद्र राव को किया सस्पेंड

नई दिल्ली। कर्नाटक के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय (डीसीआरई) के महानिदेशक (डीजीपी) रामचंद्र राव को सस्पेंड कर दिया गया है। यह कार्रवाई उनके कथित अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद की गई है। वीडियो में वह एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में नजर आ रहे हैं, जिससे राज्य में भारी विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, रामचंद्र राव ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उन्हें फंसाया जा रहा है और वीडियो पूरी तरह से फर्जी हैं। वीडियो सामने आने के बाद वह कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर से मिलने उनके आवास पहुंचे थे, लेकिन दोनों की मुलाकात नहीं हो सकी। गृह मंत्री के आवास के बाहर मीडिया से बातचीत में रामचंद्र राव ने कहा कि यह पूरा मामला मनगढ़ंत है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में रामचंद्र राव को उनके कार्यालय में एक महिला के साथ आपत्तिजनक व्यवहार करते हुए देखा जा सकता है।

ख़ास ख़बर

पंजाब केसरी के प्रकाशन के खिलाफ किसी भी निरोधात्मक कार्रवाई पर लगी रोक

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने पंजाब सरकार को पंजाब केसरी अखबार के प्रकाशन के खिलाफ कोई भी निरोधात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट से साफ किया कि अखबार का काम काज बिना किसी रुकावट के चलता रहेगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यह अंतरिम आदेश पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसला सुनाए जाने तक और उसके बाद एक हफ्ते तक जारी रहेगा ताकि पार्टियां अपील के लिए कानूनी रास्ते अपना सकें। मंगलवार को पंजाब केसरी अखबार की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने मुख्य न्यायाधीश के समक्ष मेंशन किया। रोहतगी ने कहा कि अखबार द्वारा राज्य सरकार की आलोचना करने वाले कुछ लेख प्रकाशित करने के बाद प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई शुरु की गयी। इसके तहत बिजली काटना, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से अखबार के खिलाफ नोटिस जारी किए गए और अखबार मालिकों की ओर से चलाए जा रहे होटलों को बंद करने के अलावा एफआईआर भी दर्ज किए गए। रोहतगी ने कहा कि ये सब कुछ दो दिनों के अंदर किया। रोहतगी ने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने अखबार प्रबंधन की ओर से दायर याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है लेकिन कोई अंतरिम राहत नहीं दी है। उन्होंने कहा कि प्रेस को इसलिए नहीं रोका जा सकता क्योंकि आपने कुछ लेख प्रकाशित किए हैं।

'फर्जी' जीएसटी आईटीसी मामले में ईडी का कई राज्यों में छापा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली/कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में शुरू हुए 658 करोड़ रुपये के कथित फर्जी जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट के सिलसिले में कई राज्यों में छापेमारी की।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी 658 करोड़ रुपये के कथित फर्जी जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट के सिलसिले में कई राज्यों में छापेमारी कर रही है। इस मामले से जुड़े व्यक्तियों और कंपनियों के कई परिसरों की धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और मणिपुर में तलाशी ली जा रही है। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर स्थित ईडी कार्यालय विभिन्न राज्य पुलिस बलों के समन्वय से इस अभियान का संचालन कर रहा है। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला ईटानगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राकेश शर्मा और आशुतोष कुमार झा नामक व्यक्तियों ने बिना किसी वास्तविक वस्तु या सेवा की आपूर्ति किए फर्जी रसीद के जरिए ''धोखाधड़ी'' करके इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाया। इस मामले में 'सिद्धि विनायक ट्रेड मर्चेंट्स' नाम की एक फर्जी कंपनी भी शामिल है, जिसके जरिए 658.55 करोड़ रुपये के कथित फर्जी बिल के आधार पर 99.31 करोड़ रुपये का आईटीसी लिया गया। इसके अलावा, विभिन्न राज्यों में फैली 58 फर्जी कंपनियां भी ईडी की जांच के दायरे में हैं। उल्लेखनीय है कि आईटीसी वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली में एक कानूनी प्रावधान है, जो व्यावसायिक संस्थाओं को व्यवसाय से संबंधित खरीद पर भुगतान किए गए जीएसटी पर क्रेडिट का दावा करके अपनी कर देनदारी को कम करने की अनुमति देता है।

डाक विभाग ने निर्यातकों के लिए शुरू की कर वापसी सुविधा, एमएसएमई और कारीगरों को मिलेगी शुल्क रियायत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। छोटे कारोबारियों, एमएसएमई, कारीगरों और स्टार्टअप को अब डाकघर से माल विदेश भेजने पर भी सरकार की ओर से ड्यूटी ड्रॉबैक, कर वापसी और अन्य रियायतों का फायदा मिलेगा। इससे उनकी लागत घटेगी, पैसा जल्दी वापस मिलेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। डाक विभाग ने 15 जनवरी से यह सुविधा लागू कर दी। संचार मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से छोटे निर्यातक, कारीगर और स्टार्टअप को खास फायदा होगा, क्योंकि वे कम कीमत वाले माल को विदेश भेजने के लिए डाक नेटवर्क पर निर्भर रहते हैं। पहले से ही आईजीएसटी की वापसी की सुविधा है, अब इन नए लाभों से लागत घटेगी और कारोबारियों को पैसा जल्दी मिलेगा। देशभर में 1,013 'डाकघर निर्यात केंद्र' काम कर रहे हैं। यहां से सामान की बुकिंग, डिजिटल कागजी काम और सीमा शुल्क की प्रक्रिया एक ही जगह पूरी हो जाती है। इससे दूर-दराज के इलाकों के लोग भी आसानी से अपना माल विदेश भेज सकते हैं। डाक विभाग ने सिस्टम में जरूरी बदलाव किए हैं और साफ नियम बनाए हैं ताकि निर्यातक और अधिकारी आसानी से काम कर सकें। यह कदम सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और सीमा-पार ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप है। भारत डाक विभाग एक ही जगह से पूरी सुविधा देता है। सामान उठाने से लेकर कागजी काम, ऑनलाइन भुगतान, सीमा शुल्क निकासी और ट्रैकिंग तक। 'अंतरराष्ट्रीय ट्रैक्ड पैकेट सेवा' जैसी सुविधाएं 135 देशों में उपलब्ध हैं, जो छोटे कारोबारियों के लिए सस्ती और भरोसेमंद हैं।

प्रदूषण का स्तर घटा, हटाईं गईं ग्रैप 4 की पाबंदियां

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में कुछ सुधार को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन (सीएक्यूएम) की उप-समिति ने ग्रैप की चरण चार की पाबंदियों को तुरंत प्रभाव से हटाने का फैसला किया है। ग्रैप 4 की पाबंदियां 17 जनवरी को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के अचानक खराब होने के कारण लागू किया गया था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन के अनुसार, मंगलवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 378 दर्ज किया गया, जो पहले की तुलना में बेहतर स्थिति को दर्शाता है। इसी सुधार को ध्यान में रखते हुए ग्रैप की उप-समिति की बैठक हुई, जिसमें स्टेज-4 हटाने पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। हालांकि, भारतीय मौसम विभाग और आईआईटीएम द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में दिल्ली का एक्यूआई "बहुत खराब" श्रेणी में ही रहने की संभावना है। इसी कारण ग्रैप के चरण-I, II और III के सभी प्रतिबंध पहले की तरह लागू रहेंगे और इन्हें सख्ती से लागू किया जाएगा। सीएक्यूएम ने जारी अपने आदेश में कहा कि स्टेज-4 के तहत लगने वाले प्रतिबंध काफी सख्त होते हैं और इनका असर आम जनता, उद्योगों और अन्य हितधारकों पर पड़ता है। चूंकि हवा की गुणवत्ता में सुधार का रुझान दिख रहा है, इसलिए फिलहाल स्टेज-4 हटाया गया है।आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्माण और तोड़फोड़ स्थलों को यदि नियमों के उल्लंघन के कारण बंद किया गया है, तो वे बिना आयोग की अनुमति के दोबारा शुरू नहीं हो सकेंगे। सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ग्रैप स्टेज-I, II और III के तहत तय उपायों को पूरी सख्ती से लागू करें। साथ ही नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे ग्रैप के दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि दोबारा स्टेज-4 लागू करने की नौबत न आए।

एपीडा ने नॉर्थ ईस्ट ऑर्गेनिक कॉन्क्लेव कम बायर-सेलर मीट का आयोजन किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने असम से कृषि निर्यात को मजबूत करने के लिए ऑर्गेनिक कॉन्क्लेव-कम-बायर सेलर मीट का आयोजन किया। एपीडा बायर सेलर मीट में 30 से ज्यादा एक्सपोर्टर्स, 9 इंपोर्टर्स और 50 किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) ने हिस्सा लिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि एपीडा ने सोमवार को असम सरकार के सहयोग से गुवाहाटी में एक ऑर्गेनिक कॉन्क्लेव-कम-बायर सेलर मीट का आयोजन किया। असम सरकार के कृषि, बागवानी और उत्पाद शुल्क मंत्री, अतुल बोरा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का मकसद कृषि निर्यात संबंधों को मज़बूत करना और असम के कृषि और प्रोसेस्ड खाद्य उत्पादों के लिए बाज़ार तक पहुंच को बेहतर बनाना था। इस कॉन्क्लेव में असम के 30 से ज़्यादा एक्सपोर्टर्स, 9 इंपोर्टर्स और लगभग 50 किसान उत्पादक कंपनियां (एफपीसी) ने हिस्सा लिया। बायर सेलर मीट ने बिजनेस-टू-बिजनेस बातचीत के लिए एक स्ट्रक्चर्ड प्लेटफॉर्म दिया, जिससे स्टेकहोल्डर्स को ट्रेड के मौके तलाशने और घरेलू और इंटरनेशनल खरीदारों के साथ लंबे समय की पार्टनरशिप बनाने में मदद मिली। असम, अपनी समृद्ध कृषि-जलवायु विविधता के साथ, कई तरह की एक्सपोर्ट-पोटेंशियल वाली चीज़ें पैदा करता है। मंत्रालय के मुताबिक असम जोहा चावल और अलग-अलग नॉन-बासमती स्पेशल चावल की किस्मों के अलावा, केला, अनानास, मैंडरिन संतरा, असम नींबू, ऑर्गेनिक अदरक, हल्दी, काली मिर्च जैसे फल और सब्जियां, साथ ही बागवानी और अन्य ऑर्गेनिक उत्पादों की एक बड़ी रेंज, राज्य को ग्लोबल एग्रीकल्चर मार्केट में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के मज़बूत मौके देती है। उल्लेखनीय है कि असम ऑर्गेनिक कॉन्क्लेव-कम-बायर सेलर मीट एपीडा के उन लगातार प्रयासों को दिखाता है, जिनके तहत क्षेत्रीय ताकतों को भारत की कृषि-निर्यात ग्रोथ स्टोरी में शामिल किया जा रहा है और साथ ही असम को हाई-वैल्यू और टिकाऊ कृषि निर्यात में एक मुख्य योगदानकर्ता के तौर पर स्थापित किया जा रहा है।

टोल बकाया होने पर अब नहीं मिलेगी एनओसी, फिटनेस प्रमाणपत्र और परमिट

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर टोल शुल्क वसूली को सख़्त करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं। इन बदलावों के बाद यदि किसी वाहन पर टोल शुल्क बकाया है, तो उस वाहन से जुड़े कामकाज रोक दिए जाएंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार यदि अब किसी वाहन पर टोल शुल्क बकाया है, तो उसका अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी नहीं होगा यानी वाहन का स्वामित्व किसी और को हस्तांतरित नहीं किया जा सकेगा और न ही वाहन को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाया जा सकेगा। इसी तरह फिटनेस प्रमाणपत्र का नवीनीकरण भी तभी होगा जब टोल शुल्क का बकाया चुका दिया गया हो। वाणिज्यिक वाहनों को राष्ट्रीय परमिट लेने के लिए भी यह शर्त पूरी करनी होगी कि उनपर कोई टोल शुल्क बकाया न हो। मंत्रालय ने बताया कि अब प्रपत्र 28 में भी बदलाव किया गया है। एनओसी के लिए आवेदन करते समय यह बताना अनिवार्य होगा कि वाहन पर कोई टोल शुल्क बकाया है या नहीं। यह प्रक्रिया अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से डिजिटल तरीके से भी की जा सकेगी। मंत्रालय ने बताया कि इन बदलावों से टोल शुल्क वसूली और आसान होगी, ख़ासकर तब जब भविष्य में बहु-लेन मुक्त प्रवाह प्रणाली लागू होगी, जिसमें बिना रुके टोल शुल्क वसूली की जाएगी। जुलाई 2025 में इन नियमों का मसौदा जारी कर जनता से सुझाव मांगे गए थे। सभी सुझावों पर विचार करने के बाद अब इन्हें अंतिम रूप देकर लागू कर दिया गया है।

भाजपा सरकार का शंकराचार्य अभिमुक्तेश्वरानंद को नोटिस हिंदू धर्म पर हमला- कांग्रेस

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस ने प्रयागराज माघ मेले में दुर्व्यवहार के बाद ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अभिमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को नोटिस दिए जाने पर गहरी नाराजगी जताते हुए इसे हिंदू धर्म पर हमला करार दिया है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के मीडिया व पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन एवं पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा आधी रात को स्वामी अभिमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को नोटिस भेजना और यह कहना कि वह उन्हें शंकराचार्य नहीं मानती, घमंड की पराकाष्ठा है। हिंदू समाज समेत पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के मौन को देख रहा है और उन्हें इसके लिए माफ नहीं करेगा। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि मौनी अमावस्या पर प्रयागराज माघ मेले में शाही स्नान के लिए जा रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी को पुलिस ने रोक दिया था। इस दौरान पुलिस की मारपीट में उनके कई शिष्यों को चोटें आईं थीं। इस अपमान के विरोध में शंकराचार्य पिछले 48 घंटों से बिना अन्न-जल के कड़ाके की ठंड में धरने पर बैठे हैं। खेड़ा ने कहा कि माफ़ी मांगने के बजाय आधी रात को उत्तर प्रदेश प्रशासन ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस भेजकर पूछा कि वह अपने नाम के आगे शंकराचार्य कैसे लिख रहे हैं। उन्होंने इसे विनाश काले विपरीत बुद्धि करार देते हुए कहा कि कोई डीएम या मुख्यमंत्री यह तय नहीं कर सकता कि कौन शंकराचार्य है; यह धर्म का आंतरिक विषय है। कांग्रेस प्रवक्ता ने वीडियो दिखाते हुए कहा कि जब तक स्वामी जी भाजपा के एजेंडे और गौ मांस जैसे मुद्दों पर सवाल नहीं उठाते थे, तब तक सरकार उन्हें शंकराचार्य मानती थी। जब उन्होंने राम मंदिर की आधी-अधूरी प्राण प्रतिष्ठा का विरोध किया, महाकुंभ की अव्यवस्था पर सवाल उठाए और मोदी सरकार की निंदा की तो वे भाजपा सरकार की नजरों में शंकराचार्य नहीं रहे और उन्हें शाही स्नान करने से रोका गया। उन्होंने 1954 के शिरूर मठ मामले का हवाला देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि मठ की परंपराओं और संचालन में किसी को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है। उन्होंने रात 12 बजे भेजे गए नोटिस को कानून और संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन बताया। साथ ही इसे बेशर्मी, बेहयाई और निर्लज्जता करार दिया।

शालीमार बाग में महिला की हत्या की गुत्थी सुलझी, तीन आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने शालीमार बाग थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े महिला की गोली मारकर हत्या के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिले की स्पेशल स्टाफ और ऑपरेशन सेल की संयुक्त कार्रवाई ने इन आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में 20 हजार रुपये का इनामी और पहले से घोषित अपराधी भारत यादव भी शामिल है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई बाइक और एक आई-10 कार बरामद की है। विशेष पुलिस आयुक्त कानून और व्यवस्था (जोन-1) रवींद्र सिंह यादव ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि 10 जनवरी को शालीमार बाग के बीसी ब्लॉक स्थित पार्क के पास रचना यादव (44) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी। घटना सुबह करीब 11 बजे की थी। विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि पुलिस को पीसीआर कॉल मिली कि गेट नंबर-4, ईस्ट शालीमार बाग के पास एक महिला को गोली मार दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को महिला का शव खून से लथपथ हालत में मिला। महिला के सिर पर गोली का निशान था और पास से एक खाली कारतूस व गोली का टुकड़ा बरामद हुआ। जांच में मृतका की पहचान रचना यादव के रूप में हुई। विशेष पुलिस आयुक्त ने आगे बताया कि जांच में सामने आया कि रचना यादव के पति बिजेंद्र यादव की पहले ही हत्या हो चुकी थी, जिसमें भारत यादव आरोपित था और वह इस मामले में घोषित अपराधी था। दोनों पक्षों के बीच स्वरूप नगर से बुराड़ी रोड पर स्थित 250 गज के प्लॉट को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, रचना यादव उस मामले में अहम गवाह थीं और कोर्ट में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं, जिससे भारत यादव को खतरा महसूस हो रहा था। वहीं पूछताछ में खुलासा हुआ कि भारत यादव ने रचना यादव की हत्या की साजिश रची और इसके लिए निखिल से संपर्क किया। निखिल ने अपने साथी सुमित को साथ मिलाया। साजिश के तहत सुमित बाइक चला रहा था, जबकि निखिल ने गोली मारकर वारदात को अंजाम दिया।

बिहार से गिरफ्तारीः विशेष पुलिस आयुक्त के अनुसार सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस ने आरोपितों की पहचान की। कई राज्यों में दबिश के बाद बिहार के कटिहार जिले के जंगल क्षेत्र में बनी झोपड़ी से निखिल और भारत यादव को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद सुमित को हरियाणा के पानीपत जिले से पकड़ा गया।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए वित्त मंत्रालय को रचनात्मक सुझाव सौंपे

सुझावों में भारत के विकास को ज़्यादा रोज़गार-उन्मुख, न्यायसंगत और मांग-आधारित बनाने पर बल दिया गया

लोकतंत्र की शान, संवाददाता मुदस्सर अली

नई दिल्लीः जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, वित्त मंत्रालय भारत सरकार को एक विस्तृत सुझाव सौंपी है, जिसमें यूनियन बजट 2026-27 के लिए निति-निर्धारित सुझाव दिए गए हैं। ये सुझाव रोज़गार बढ़ाने, धन के वितरण को बेहतर बनाने और मांग-आधारित विकास को मज़बूत करने पर केंद्रित हैं। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने एक बार फिर सरकार के सामने सबूतों पर आधारित और नतीजों पर केंद्रित सिफारिशें पेश की हैं जिसका मकसद भारतीय अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक असंतुलन को दूर किया जा सके। ये सुझाव भारत के हालिया आर्थिक प्रदर्शन के एक बड़े नीतिगत संदर्भ में है। हालांकि देश ने लगातार सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के विकास, बढ़ते वित्तीय बाज़ार और बढ़ती कॉर्पोरेट लाभप्रदता के रूप में धन सृजन करने की मज़बूत क्षमता दिखाई है, लेकिन ये फायदे समान रूप से दौलत के बंटवारे या पर्याप्त रोज़गार पैदा करने में प्रवर्तित नहीं हुए हैं। आय और धन-संग्रह के संकेतक, साथ ही विकास की कमज़ोर रोज़गार लचीलापन और ज़्यादा युवा बेरोज़गारी राजस्व सुधार की ज़रूरत को रेखांकित करते हैं। भोजन, स्वास्थ्य सेवा, आवास और शिक्षा जैसी ज़रूरी चीज़ों पर बढ़ते घरेलू खर्च ने खपत और घरेलू मांग को और सीमित कर दिया है। इस पृष्ठभूमि से सुझावों में राजकोषीय नीति बनाने में रोज़गार के नतीजों को साफ़ तौर पर शामिल करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया गया है। इसमें बड़े सार्वजनिक खर्चों और इंसेंटिव के श्रम-प्रभाव का आकलन करने के लिए संस्थागत तंत्र का प्रस्ताव है, साथ ही क्लाइमेट-रेज़िलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी सेवाओं और संरक्षण कार्य पर केंद्रित लक्षित शहरी रोज़गार पहल भी शामिल हैं। ग्रामीण इलाकों के लिए सुझावों में गैर-कृषि रोज़गार के लिए ज़िला-स्तरीय, जगह-आधारित दृष्टिकोण की वकालत की गयी है जो स्थानीय आर्थिक ताकतों पर आधारित हो और आधारभूत संरचना, खरीद और स्थानीय भर्तियोंसे जुड़े रियायती वित्त के ज़रिए समर्थित हो। इन सिफारिशों में रोज़गार के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए लघु, कुटीर और मध्यम उद्यमों से संबंधित सार्वजनिक ऋण सहायता के लिए नयी रूपरेखा तैयार करने की भी बात कही गई है। खासकर महिलाओं और पहली बार काम करने वालों के लिए क्रेडिट इंसेंटिव को सत्यापित रोज़गार सृजन से जोड़कर। इन सुझावों का मकसद सार्वजनिक वित्त पर सामाजिक लाभ को बढ़ाना है। इसी तरह, सुझावों में औद्योगिक प्रोत्साहन योजना को श्रम प्रोत्साहन क्षेत्र की ओर दुबारा उन्मुखी बनाने पर ज़ोर दिया गया है जिसमें रोज़गार-आधारित इंसेंटिव दिए जाएं जो पूंजी की तीव्रता के बजाय रोज़गार सघनता को प्रतिफल दें।

एआई का लक्ष्य हो हर किसी के जीवन को बेहतर बनानाः सत्य नडेला

लोकतंत्र की शान

दावोस/नई दिल्ली। दुनिया की जानी-मानी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) का लक्ष्य हर किसी के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। इसमें शिक्षा से लेकर सार्वजनिक क्षेत्र की दक्षता तक शामिल है। नडेला ने यह बात मंगलवार को स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ)-2026 की 56वीं वार्षिक बैठक के दौरान एक सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि यदि एआई से जुड़ी सारी चर्चा केवल आपूर्ति पक्ष या तकनीकी कंपनियों पर ही केंद्रित रही, तो यह एक 'बुलबुला' साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि एआई की भूमिका को जिंदगी के सभी पहलुओं में जांचने की ज़रूरत है, जैसे कि यह फार्मा कंपनियों को जरूरी दवाएं तेजी से मार्केट में लाने या ट्रायल्स को तेज़ करने में कैसे मदद कर रहा है। उन्होंने केवल खर्च बढ़ाने के बजाय एआई आधारित आर्थिक वृद्धि पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे एआई और अन्य उन्नत प्रौद्योगिकियां उत्पादकता बढ़ा रही हैं और हमारे काम करने के तरीके को बदल रही हैं। नडेला ने कहा, "एक वैश्विक समुदाय के रूप में हमें उस बिंदु तक पहुंचना होगा, जहां हम कुछ उपयोगी करने के लिए एआई का इस्तेमाल करें, जिससे लोगों, समुदायों, देशों और उद्योगों के नतीजों में बदलाव आए।" माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने एआई क्रांति को पर्याप्त ऊर्जा बुनियादी ढांचे का समर्थन सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक-निजी सहयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि एआई के लाभों को समान रूप से वितरित करने की जरूरत है। दावोस में 19 से 23 जनवरी तक चलने वाले इस वैश्विक समागम में करीब 65 राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख शामिल हो रहे हैं। इसमें करीब 130 देशों के 3,000 से अधिक नेता शामिल होने वाले हैं। इस सम्मेलन का विषय 'संवाद की भावना' रखा गया है। डब्ल्यूईएफ-2026 में भू-राजनीति, अर्थव्यवस्था, विकास, तकनीक और पर्यावरण जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री की केंद्रीय शिक्षा मंत्री से भेंट

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने नई दिल्ली में मंगलवार को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान से उनके राजकिय आवास पर शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री की केंद्रीय मंत्री के साथ उच्च शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

हत्या के प्रयास के मामले में नाबालिग समेत दो को पकड़ा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पूर्वी जिले के न्यू अशोक नगर थाना पुलिस ने लूट–सह–चाकूबाजी के मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद किया है। जांच के दौरान मामले में हैरान करने वाला मोड़ सामने आया, जब कथित पीड़ित ही पोक्सो अपराध में दोषी पाया गया, जबकि नाबालिग गवाह साजिशकर्ता के रूप में सामने आया। पूर्वी जिले के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिषेक धानिया ने मंगलवार को बताया कि घटना दो जनवरी की रात की है, जब कोंडली पुल के पास चाकूबाजी में गंभीर रूप से घायल जय प्रकाश (32) को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत नाजुक होने पर उसे एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। पेट और पीठ पर गहरे घाव पाए जाने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि पीड़ित के असहयोग के चलते पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों पर भरोसा किया। करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पुलिस को अहम सुराग मिले। फुटेज में जय प्रकाश एक नाबालिग को साइकिल पर बैठाकर दल्लूपुरा की ओर जाता दिखा, जबकि कुछ देर बाद वह अकेले और घायल अवस्था में लौटता नजर आया। पुलिस ने नाबालिग की पहचान कर माता-पिता की मौजूदगी में पूछताछ की। शुरुआती बयान में उसने किसी अज्ञात बदमाश द्वारा लूट और चाकूबाजी की कहानी सुनाई, लेकिन बयान में लगातार विरोधाभास पाए गए। इसके बाद स्थानीय सूचना तंत्र मजबूत किया गया, जिससे कोंडली निवासी देवराज उर्फ जग्गू का नाम सामने आया। पुलिस ने छापेमारी कर देवराज उर्फ जग्गू को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने नाबालिग के साथ मिलकर लूट–सह–चाकूबाजी की साजिश रचने की बात कबूल की। आरोपित ने बताया कि पीड़ित जय प्रकाश नाबालिग का कथित तौर पर यौन शोषण करता था। इसी रंजिश में बदला लेने के लिए वारदात को अंजाम दिया गया और लूट को महज दिखावे के तौर पर रखा गया। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर लूटा गया मोबाइल फोन और चाकू बरामद किया है। जांच के दौरान नाबालिग ने अपने साथ हुए यौन शोषण की जानकारी दी, जिसके बाद पीड़ित जय प्रकाश के खिलाफ भी पोक्सो एक्ट के तहत अलग से मामला दर्ज किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा इंजीनियर मृत्यु मामला: एसआईटी गठन पर मृतक के पिता ने जताया संतोष

लोकतंत्र की शान : लखनऊ: नोएडा में इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में योगी सरकार द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई पर मृतक के पिता राजकुमार मेहता ने संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा विशेष जांच टीम (SIT) के गठन से उन्हें न्याय की आशा मिली है और उन्हें विश्वास है कि उनके बेटे की आत्मा को न्याय अवश्य प्राप्त होगा। वहीं, मंगलवार को मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए बिल्डर अभय कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

आवश्यक सुरक्षा उपाय हुए सुनिश्चित-मृतक युवराज मेहता के पिता राजकुमार मेहता के अनुसार, घटना की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से घटनास्थल पर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एक बार भेंट करने की इच्छा भी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से मुलाकात होने पर उन्हें मानसिक शांति मिलेगी । उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की ओर से उन्हें यह भरोसा दिलाया गया है कि पूरा सहयोग मिलेगा ।

3 सदस्यीय एसआईटी कर रही जांच-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को नोएडा की घटना का संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने घटना की जांच के लिए ADG जोन मेरठ के नेतृत्व में 3 सदस्यीय SIT की टीम गठित किया था। अधिकारियों की यह टीम 5 दिनों में मामले की जांच कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रिपोर्ट सौंपेगी।

बिल्डर की हुई गिरफ्तारी -इस घटना में पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मंगलवार को नामजद आरोपी बिल्डर अभय कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। रियल एस्टेट कंपनी एमजेड विजटाउन प्लानर्स लिमिटेड के सीईओ और बिल्डर अभय कुमार की गिरफ्तारी लापरवाही, गैर इरादतन हत्या और जान जोखिम में डालने जैसी गंभीर धाराओं में दर्ज एफआईआर के दृष्टिगत की गई है। वहीं, योगी सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर भी सख्त कदम उठाते हुए नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को पद से हटा दिया गया था। इससे पूर्व, ट्रैफिक सेल अवर अभियंता नवीन कुमार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया था।

परसाखेड़ा में स्टेट जीएसटी की बड़ी कार्रवाई, 22 करोड़ की देनदारी पर प्लाइबोर्ड फैक्ट्री कुर्क

लोकतंत्र की शान : बरेली । राज्य कर विभाग (स्टेट जीएसटी) की टीम ने परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित बरेली प्लाइबोर्ड प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री को कुर्क कर लिया। विभाग के अनुसार फर्म पर लगभग 22 करोड़ रुपये की जीएसटी देयता लंबे समय से बकाया थी, जिसे जमा नहीं किया जा रहा था। करदाता फर्म ने मामले को लेकर माननीय उच्च न्यायालय की शरण ली थी, लेकिन न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का भी अनुपालन नहीं किया गया। इसके बाद राज्य कर विभाग ने रिकवरी प्रक्रिया के तहत नियमानुसार कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री की जब्ती/कुर्की की। संयुक्त आयुक्त राज्य कर के.के. गुप्ता के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। टीम में उप आयुक्त डी.के. सिंह, सहायक आयुक्त गौरव सिंह एवं सहायक आयुक्त अविरल मुद्गल शामिल रहे। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कीं। संयुक्त आयुक्त के.के. गुप्ता ने बताया कि कर की बकाया राशि की वसूली के लिए विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि "उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन न करना गंभीर विषय है। करदाता यदि समय से कर जमा नहीं करते हैं तो विभाग को मजबूरन सख्त कदम उठाने पड़ते हैं।" उन्होंने सभी व्यापारियों और करदाताओं से अपील की कि वे जीएसटी/वैट की देय राशि समय पर जमा करें, ताकि इस तरह की कठोर कार्रवाई से बचा जा सके।

दिव्यांगजनों के लिए दुकान निर्माण एवं संचालन योजना, आवेदन आमंत्रित : विनय उत्तम

लोकतंत्र की शान : कानपुर। जनपद के ऐसे समस्त दिव्यांगजन जो स्वयं का रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं, उनके लिए दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दुकान निर्माण एवं दुकान संचालन योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। यह जानकारी मंगलवार को जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विनय उत्तम ने दी। उन्होंने बताया कि दुकान निर्माण योजना के अंतर्गत ऐसे दिव्यांगजन आवेदन करने के पात्र होंगे। जिनके नाम पर न्यूनतम 110 वर्ग फीट की स्वयं की भूमि उपलब्ध हो तथा वह भूमि ऐसे स्थान पर स्थित हो जहां दुकान का निर्माण कराया जा सकता हो। इस योजना के अंतर्गत कुल 20,000 रुपये की धनराशि दो किश्तों में स्वीकृत की जाती है, जिसमें 15,000 का ऋण चार प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर तथा 5,000 की अनुदान राशि सम्मिलित है। इसी प्रकार दुकान संचालन योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांगजनों को कुल 10,000 की धनराशि स्वीकृत की जाती है, जिसमें 7,500 का ऋण चार प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर तथा 2,500 रुपये की अनुदान राशि प्रदान की जाती है। योजना का लाभ वही दिव्यांगजन प्राप्त कर सकेंगे जो किसी आपराधिक अथवा आर्थिक मामले में दंडित न हों तथा जिनके विरुद्ध किसी प्रकार की सरकारी धनराशि देय न हो। इच्छुक एवं पात्र दिव्यांगजन आवश्यक अभिलेखों के साथ विभाग की वेबसाइट http://divyangjandukan.upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला नवीनतम फोटो, जन्मतिथि सहित आयु प्रमाण पत्र, मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, अधिवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित खाते का विवरण तथा दो जमानतदारों का विवरण आवश्यक होगा।

बरेली छावनी में विकास की नई पटकथा बोर्ड बैठक में लिए गए दूरगामी फैसले

लोकतंत्र की शान : बरेली। बरेली छावनी परिषद की सामान्य बोर्ड बैठक में विकास, सुशासन और जनकल्याण को लेकर कई बड़े और दूरगामी फैसले लिए गए। नेहरू सभागार में हुई इस अहम बैठक की अध्यक्षता ब्रिगेडियर गगनदीप सिंह, वाईएसएम ने की। बैठक में सीईओ डॉ. तनु जैन (आईडीईएस) ने विकास से जुड़े एजेंडे को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए छावनी के समग्र कायाकल्प की रूपरेखा सामने रखी। बोर्ड ने विकास, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक सुविधाओं और कर्मचारी हितों से जुड़े प्रस्तावों को एक-एक कर मंजूरी दे दी। बैठक में नामित सभासद डॉ. वैभव जायसवाल भी मौजूद रहे। बैठक में छावनी क्षेत्र में आधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण को हरी झंडी दी गई। यह ऑडिटोरियम सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। आरएन टैगोर इंटर कॉलेज समेत अन्य भवनों में अग्निशमन उपकरण लगाए जाएंगे, जबकि सीसीटीवी कैमरे और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत किया जाएगा। छावनी क्षेत्र में एलईडी स्ट्रीटलाइटिंग, फैसलाइटिंग, चौक-चौराहों और पार्कों के सौंदर्यीकरण के प्रस्ताव भी पारित किए गए। इसके साथ ही गार्बेज टू गोल्ड सेंटर, कचरा बैंक, कचरा संपीडन केंद्र और ओपन जिम जैसी योजनाओं को मंजूरी मिली। इन योजनाओं से स्वच्छता के साथ-साथ स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। कैंट जनरल हॉस्पिटल में मेडिकल उपकरण, बेड और दवाइयों की सुविधाएं बेहतर की जाएंगी। अस्पताल के खाली कमरों में आयुर्वेदिक सेंटर स्थापित करने का भी फैसला लिया गया। कर्मचारियों के हित में एसीपी लाभ, ग्रेच्युटी सीमा बढ़ोतरी और नोटेशनल इन्क्रीमेंट जैसे प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में छावनी बाजारों के ई-ऑक्शन, दुकानों के लाइसेंस नवीनीकरण और पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग पर सहमति बनी। गोला बाजार चौक का नाम बदलकर धोपेश्वर नाथ चौक रखने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। साथ ही युगवीणा हॉल को नारी वस्त्रशाला के रूप में विकसित करने, स्पोर्ट्स मीट शिखर बरेली 2026 और पार्कों के विकास को भी मंजूरी दी गई। सीईओ डॉ. तनु जैन ने कहा कि बरेली छावनी को ग्रीन, क्लीन और स्मार्ट सुविधाओं से युक्त मॉडल कैंटोनमेंट के रूप में विकसित किया जाएगा।

त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर में गन्ना किस्म पहचान हेतु गन्ना सर्वे कर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर/ चंदनपुर: मंगलवार को गन्ना एवं चीनी आयुक्त उत्तर प्रदेश के दिशा निर्देशों के क्रम में त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर में गन्ना विभाग एवं चीनी मिल कर्मचारियों के साथ संयुक्त रूप से गन्ना किस्म पहचान हेतु गन्ना सर्वे कर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, प्रशिक्षण कार्यक्रम में हरिमोहन त्रिपाठी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक चंदनपुर, संजय राठी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक अमरोहा एवं डॉक्टर ए.के मिश्रा वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र गजरौला उपस्थित हुए, चीनी मिल चंदनपुर के उपाध्यक्ष(शुगर) अमोद कुमार शर्मा द्वारा कृषि वैज्ञानिक को,आर एस सहरावत महाप्रबंधक (गन्ना) द्वारा संजय राठी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक अमरोहा एवं ए० के० तिवारी उप माहप्रबंधक (गन्ना विकास) द्वारा हरि मोहन त्रिपाठी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक चंदनपुर का सर्वप्रथम बुके देकर स्वागत किया गया, प्रशिक्षण कार्यक्रम में चीनी मिल के गन्ना सुपरवाइजर, अधिकारी गण एवं गन्ना पर्यवेक्षक सहित लगभग 90 कर्मचारियों ने सहभागिता की ओर कार्यशाला में बताई गई पहचान से ज्ञान अर्जित किया, प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन चीनी मिल के ए.के तिवारी उपमाह प्रबंधक (गन्ना विकास) द्वारा किया गया, सर्वप्रथम तिवारी जी के द्वारा जनपद में प्रचलित गन्ना प्रजातियों के बारे में अलग-अलग प्रजातियों का विस्तार से वर्णन किया गया, उन्होंने बताया कि कृषको के पास तीन प्रजातियों का गन्ना अवश्य होना चाहिए और 50-50 प्रतिशत पेढ़ी और पौधा संतुलन बनाए रखना चाहिए बसंत कालीन बुवाई 31 मार्च तक पूर्ण कर लेनी चाहिए जिससे अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जाता है और गेहूं के बाद बुबाई की समस्या से बच सके, प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए डॉक्टर ए.के मिश्रा गन्ना वैज्ञानिक द्वारा गन्ना प्रजाति की पहचान हेतु गन्ने मंगवाए गए और गन्ने की पत्ती से उसके अगोला से पहचान बताई जैसे पत्ती का कलर अगोले का कलर आदि से पहचान इसके साथ ही यह भी बताया गया कि गन्ने की पहचान के लिए गन्ने का बीच का हिस्सा निश्चित करना चाहिए क्योंकि मध्य हिस्सा पूर्ण रूप से परिपक्व हो जाता है इसलिए पहचान सही हो सकती है, गन्ने के तने के कलर उसकी लंबाई मोटाई से भी पहचान करने का तरीका बताया, हरि मोहन त्रिपाठी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक चंदनपुर ने गन्ने की पहचान के साथ-साथ खड़े करने के सर्वे से संबंधित भी निर्देश दिए जिसमें बताया गया कि खड़े गन्ने एवं बीज हेतु सुरक्षित प्लांट की सही पहचान कर बीज का प्रमाणीकरण सुनिश्चित करें और अच्छे बीज को सुरक्षित करें तथा कृषकों को भी बीज रोकने हेतु उत्साहित करें,वही संजय राठी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक अमरोहा द्वारा बताया गया कि जनपद अमरोहा में प्रचलित गन्ना प्रजातियों की बुवाई के लिए किसानों को प्रेरित करें तथा चीनी मिल क्षेत्र में जो भी गन्ना प्रजाति का अच्छा रिजल्ट है उसकी प्रजातिये संतुलन के आधार पर अधिक से अधिक बुवाई कराएं, वहीं चीनी मिल के महा प्रबंधक आर एस सहरावत द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए बताया गया कि चीनी मिल क्षेत्र के लिए उपयोगी एवं निरोगी गन्ना प्रजातियां को. 118, को. 98014, को. 15023, को. जा. 85 एवम को. जा. 88 की अधिक से अधिक बुवाई कराएं ताकि किसानों को अच्छा उत्पादन प्राप्त हो सके और कहा कि बुवाई करते समय केवल स्वीकृत प्रजातियों की ही बुवाई करें इसका विशेष ध्यान रखें, अंत में चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) अमोद कुमार शर्मा द्वारा कार्यक्रम में आए कृषि वैज्ञानिक, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, विभागीय गन्ना पर्यवेक्षक एवं चीनी मिल के अधिकारियों एवं सभी गन्ना सुपरवाइजर का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद किया गया तथा अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस गन्ना किस्म पहचान हेतु गन्ना सर्वे कर्मियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आपको कृषि वैज्ञानिक एवं अन्य के द्वारा जो पहचान बताई गई है उसके अनुसार गन्ने की किस्म को पहचान करते हुए ही गन्ने की बुवाई कराएं ताकि किसानों को गन्ना आपूर्ति के समय कोई परेशानी का सामना न करना पड़े, अंत में क्षेत्र से लाए गए भिन्न भिन्न गन्ना प्रजातियों को दिखाकर सजीव पहचान कराई गई ।

बूढ़े बाबू के मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, मांगी मन्नतें

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: मंगलवार को हसनपुर तहसील क्षेत्र के अलीपुर खादर एवं बिजोरा गांव में दो दिवसीय बूढ़े बाबू का मेला प्रारंभ हो गया बताते चलें कि बूढ़े बाबू की दूज के अवसर बूढ़े बाबू का मेला दोनों ही स्थान पर बड़े ही श्रद्धा पूर्वक आयोजित किया जाता है जिसमें हजारों की संख्या में स्थानीय एवं दूरदराज के ग्रामीण पहुंचकर जात लगाकर मन्नत मांगते हैं मान्यता है कि मठ के निकट स्थित तालाब में स्नान करने या फिर आचमन करने से विभिन्न त्वचा रोगों से मुक्ति मिलती है ईसी के चलते लोगों ने तालाब के जल का आचमन किया तथा बाबा के मठ पर प्रसाद चढ़कर अपनी मन्नतें मांगी, वहीं मेले में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूले, खेल तमाशा, महिलाओं के लिए मीना बाजार, चाट पकौड़ी की दुकान, सौंदर्य प्रसाधन की दुकान आकर्षण का केंद्र रही, सुरक्षा की दृष्टि से हसनपुर कोतवाली प्रभारी प्रेमपाल सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है जिसके चलते ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरे से भी शरारती तत्वों पर निगाह रखी जा रही है, अलीपुर खादर में मेला आयोजक हरि सिंह प्रजापति भगत जी ने बताया कि यह मेला 2 दिन तक चलेगा इस अवसर पर पूर्व प्रधान अनिल कुमार, भोज राम सिंह, टीकाराम, विजयपाल सिंह, नारायण, ज्ञान सिंह, बबलू, महेंद्र एडवोकेट, सुनील, जरीफ खा, हरस्वरूप, पूरन, मेघराज, नेपाल आदि सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे ।

वार्ड नं. 5 हयात नगर में सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण चेयरमैन प्रतिनिधि चौधरी मुबाशिर ख़ान ने लिया जायज़ा

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। नगर पालिका परिषद संभल के अंतर्गत वार्ड नं. 5 हयात नगर में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का आज चेयरमैन प्रतिनिधि चौधरी मुबाशिर ख़ान ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ वार्ड मेम्बर अनिल कुमार भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि चौधरी मुबाशिर ख़ान ने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण, मजबूत और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि नगर के हर वार्ड में बुनियादी सुविधाओं का विकास नगर पालिका की प्राथमिकता है। चौधरी मुबाशिर ख़ान ने बताया कि हयात नगर की यह सड़क लंबे समय से खराब स्थिति में थी, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही थी। सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। वार्ड मेम्बर अनिल कुमार ने भी निर्माण कार्य पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वार्ड की जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए यह कार्य कराया जा रहा है और आगे भी विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने चेयरमैन प्रतिनिधि चौधरी मुबाशिर ख़ान का आभार व्यक्त किया और विकास कार्यों की सराहना की।

विधायी संस्थाओं की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता के मानक स्थापित करने पर जोर

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधायी संस्थाओं की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता के मानक स्थापित करने पर जोर दिया। 21 जनवरी को सम्मेलन का तीसरा एवं अंतिम दिन होगा। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष समापन संबोधन देंगे। समापन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे तथा सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

तीन प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श-सम्मेलन के दूसरे दिन तीन प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। पहला, पारदर्शी, कुशल एवं नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रियाओं हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग। दूसरा, विधायकों की क्षमता-वृद्धि द्वारा कार्यकुशलता में सुधार एवं लोकतांत्रिक शासन को सुदृढ़ करना। और तीसरा, जनता के प्रति विधायिकाओं की जवाबदेही। इन पूर्ण सत्रीय विचार-विमर्शों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला उपस्थित रहे। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने चर्चा का संचालन किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने देशभर की विधायिकाओं में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यप्रणाली में समाहित करने के लिए उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना के प्रयासों की प्रशंसा की। श्री बिरला ने विधायकों की शैक्षणिक योग्यताओं एवं पेशेवर अनुभवों को पहचान कर उनका रचनात्मक उपयोग करने की पहल की भी सराहना की। पूर्व सम्मेलनों के प्रमुख विमर्शों का स्मरण करते हुए श्री बिरला ने उत्कृष्टता, नवाचार तथा प्रौद्योगिकी के उपयोग जैसे मानकों पर राज्य विधायिकाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता पर बल दिया। इस संदर्भ में देहरादून में 2019 में आयोजित सम्मेलन में हुई चर्चाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने राज्य विधायिकाओं की कार्यकुशलता एवं कार्यप्रणाली में सुधार पर अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने बताया कि इस दिशा में एक समिति का गठन किया गया है, जो भारत में विधायी निकायों की प्रक्रियाओं एवं प्रथाओं के मानकीकरण से संबंधित मुद्दों पर विचार कर रही है।

पार्टी को नई ऊर्जा व दिशा देंगे नितिन नबीन : सीएम योगी

लोक तंत्र की शान

नई दिल्ली/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की और उन्हें बधाई के साथ उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सीएम योगी ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट किया और अपने सोशल मीडिया एकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट करके भी उन्हें पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि "आपके कुशल नेतृत्व, संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शिता से पार्टी को नई ऊर्जा-दिशा मिलेगी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को और मजबूती प्राप्त होगी।" सीएम ने आशा जताई कि उत्तर प्रदेश को भी आपका निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा। मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा कि पूर्ण विश्वास है

कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के यशस्वी मार्गदर्शन में आप अंत्योदय के पथ पर चलते हुए अपनी निष्ठा व समर्पण से संगठन को नई ऊंचाइयां प्रदान करेंगे एवं सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं में 'राष्ट्र प्रथम' के भाव को और सुदृढ़ करेंगे। आपके उज्ज्वल कार्यकाल हेतु अनंत शुभकामनाएं।

आरोग्य शक्ति अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौला। कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय द्वारा आरोग्य शक्ति अभियान के तहत जुबिलेंट इंग्रविया लिमिटेड के कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाओं का वितरण किया गया। सोमवार को कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय की निदेशक सौम्या पांडे के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में नगर में स्थित कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय के प्रभारी चिकि त्साधिकारी डा. मयंक कौशिक ने जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में जुबिलेंटकर्मियों के बीपी,वजन, ब्लड शुगर, ईसीजी और टीबी स्क्रीनिंग की गई। जेबीएफ के मेडिकल हेड डा,सुजिंदर फोगाट ने बताया कि शिविर में उच्च रक्तचाप के 20, एनीमिया के 30 एवं डायबिटीज के 20 रोगी

पाए गए। शिविर में कर्मचारियों को ईएसआई से मिलने वाले लाभों की जानकारी भी दी गई। सभी लाभार्थियों को जेबीएफ द्वारा निर्मित प्रोयो शक्ति प्रोटीन पाउडर भी दिया गया। इस मौके पर जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, डा.मयंक, डा.हरीश, प्रशांत शर्मा, आशु कुमार आदि भी मौजूद रहे।

योगी सरकार की बड़ी पहल, 25 जनपदों में एक साथ हुआ सीएम युवा हेल्प डेस्क का आयोजन

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मंगलवार को प्रदेश के 25 जनपदों में जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र द्वारा सीएम युवा हेल्पडेस्क का सफल आयोजन किया गया, जिसमें यूपीकॉन (UPICON) द्वारा संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना (VSSY) तथा एक जनपद एक उत्पाद (ODOP) प्रशिक्षण कार्यक्रम ने भी संयुक्त रूप से भागीदारी की। इस दौरान हजारों प्रशिक्षणार्थियों ने विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया और महज कुछ ही घंटों में एक हजार से ज्यादा प्रशिक्षणार्थियों ने उद्यम स्थापित करने में रुचि दिखाते हुए योजना का लाभ लेने के लिए अपना आवेदन भी कर दिया।

बड़ी संख्या में स्वरोजगार से जुड़ रहे युवा-यूपीकॉन के एमडी प्रवीण सिंह ने बताया कि सीएम योगी के मार्गदर्शन में आयोजित यह वृहद कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस महाआयोजन के दौरान कुल 1072 इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना (सीएम युवा योजना) के अंतर्गत आवेदन किया। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि योगी सरकार की नीतियों और योजनाओं से प्रेरित होकर युवा अब स्वरोजगार और उद्यम स्थापना की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ है कि योगी सरकार की योजनाएं जमीनी स्तर पर असर दिखा रही हैं और उत्तर प्रदेश को उद्यमिता और रोजगार सृजन का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में ठोस प्रगति हो रही है।

बैंकों और विशेषज्ञों ने दिया व्यावहारिक मार्गदर्शन-उन्होंने बताया कि गौतमबुद्धनगर, बाराबंकी, बांदा, औरैया समेत प्रदेश के 25 जनपदों में आयोजित इस कार्यक्रम में वित्तीय विशेषज्ञों और विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों द्वारा विशेष सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रशिक्षणार्थियों को सीएम युवा योजना से संबंधित आवेदन प्रक्रिया, ऋण सुविधा, पात्रता मानदंड और आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही युवाओं को उद्योग शुरू करने से जुड़ी व्यावहारिक चुनौतियों और उनके समाधान पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव की घोषणा, जनवरी लास्ट वीक में होगा इलेक्शन

लोकतंत्र की शान : पटना। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव 2025-26 की घोषणा जनवरी के अंतिम सप्ताह में होगी। पीयू के सीनेट की बैठक में इसपर फैसला होगा। इस बैठक में चुनाव करवाने सहित कई तरह के निर्णय लिए जाएंगे। 12 जनवरी से चुनाव की मांग को लेकर छात्र धरना पर बैठे हुए थे। कुलपति प्रो नमिता ने मुलाकात के बाद पत्र जारी करते हुए जनवरी के अंतिम सप्ताह में छात्र संघ चुनाव की तिथि घोषणा करने की बात कही। कुलपति ने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनकी मांगों को पूरा किया जाएगा। शनिवार को धरना पर बैठे छात्रों से विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। कर्मचारी संघ ने छात्रों के जायज मांगों का समर्थन किया था और विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की कि आंदोलनरत छात्रों से अविलंब वार्ता कर उनकी जायज मांगों की पूर्ति कर आंदोलन को समाप्त कराने की बात कही थी। पीयू में वार्षिक सीनेट की बैठक 30 जनवरी को संभावित है। विश्वविद्यालय में सीनेट की बैठक से पहले सिंडिकेट और एकेडमिक काउंसिल की बैठक होती है। इन दोनों बैठक में लिए गए निर्णय को सीनेट की बैठक में पेश किया जाता है। सिंडिकेट में भी तैयार बजट को रखा जाता है। हालांकि, अभी तक बजट तैयार नहीं किया गया है। दरअसल, बजट वित्तीय परामर्शी के सलाह पर तैयार किया जाता है। वित्तीय परामर्शी प्रवीण कुमार सिंह विश्वविद्यालय के अतिरिक्त प्रभार में हैं। यह वर्तमान में बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर में कार्यरत हैं। प्रवीण कुमार विश्वविद्यालय में बहुत कम आते हैं। इस वजह से विश्वविद्यालय में बहुत सारा कार्य लंबित पड़ा है।

बिहार में 6 नई क्षेत्रीय एफएसएल शुरू होंगी, 163 करोड़ के उपकरण की मंजूरी, जल्द ही खरीदारी की जाएगी

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार में अपराध जांच को तकनीकी रूप से मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य में इस साल 6 नई क्षेत्रीय विधि-विज्ञान प्रयोगशालाएं (FSL) शुरू होंगी। इन प्रयोगशालाओं में मॉडर्न उपकरण स्थापित करने के लिए 163 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। ये नई FSL पूर्णिया, गया जी, बेतिया, छपरा, मुंगेर और सहरसा में स्थापित की जा रही हैं। इन सभी स्थानों पर FSL भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और अब उपकरणों की स्थापना प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। इन 6 नई FSL में उपकरण लगाने के लिए 163 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को गृह विभाग से स्वीकृति मिल चुकी है। इसे अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजा गया है। यह जानकारी सोमवार को पुलिस मुख्यालय सभागार में अपराध अनुसंधान विभाग (CID) के अपर पुलिस महानिदेशक पारसनाथ ने पीसी में दी। एडीजी पारसनाथ ने बताया कि वर्तमान में पटना के अलावा मुजफ्फरपुर, भागलपुर और राजगीर में क्षेत्रीय FSL संचालित हैं। दरभंगा और रोहतास में भी FSL शुरू की जानी हैं, लेकिन वहां अभी भवन निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि राजगीर और पूर्णिया FSL के लिए 13 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से उपकरणों की खरीद की जा रही है। इसमें से आधी राशि के उपकरण खरीदे जा चुके हैं, जबकि शेष उपकरण फरवरी तक उपलब्ध हो जाएंगे। एडीजी पारसनाथ ने घोषणा की कि मार्च महीने तक राज्य में साइबर फॉरेंसिक यूनिट भी शुरू कर दी जाएगी। पहले चरण में पटना और राजगीर FSL में साइबर फॉरेंसिक यूनिट स्थापित होंगी। इन यूनिटों के शुरू होने से मोबाइल फोन और कंप्यूटर से जुड़े मामलों की फॉरेंसिक जांच राज्य में ही संभव हो सकेगी, जिससे जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी। अगले चरण में मुजफ्फरपुर और भागलपुर में भी साइबर फॉरेंसिक यूनिट शुरू करने की योजना है, जिसके लिए नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी से करार किया गया है। इसके अलावा पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और राजगीर एफएसएल में एक-एक डीएनए यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव भी गृह विभाग को सौंपा गया है।

बाल विवाह मुक्ति अभियान, 100 दिवसीय विशेष अभियान में संकल्प सभा और प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के भगवानपुर स्थित राजकीयकृत श्री लक्ष्मी नारायण उच्च विद्यालय में बाल विवाह से मुक्ति को लेकर चलाए जा रहे 100 दिवसीय विशेष अभियान के तहत एक संकल्प सभा सह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव सह कार्यक्रम निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला, महिला हेल्पलाइन की प्रबंधक प्रियंका कुमारी, महिला विकास निगम की प्रोग्राम ऑफिसर मुक्ति श्रीवास्तव और बाल संरक्षण पदाधिकारी अमूल्य कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मो. नसीमूल होदा ने की, जबकि अधिकार मित्र संतोष कुमार ने इसका संचालन किया। इस अवसर पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत चित्रकला, पेंटिंग और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में स्वाति और रानी कुमारी संयुक्त रूप से प्रथम रहीं, जबकि नंदनी कुमारी और मनीषा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर आकिफ शरीफ रहे। निबंध लेखन प्रतियोगिता में सुप्रिया कुमारी और रुपाली संयुक्त रूप से प्रथम रहीं, स्वाति प्रिया द्वितीय और सृष्टि कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। स्लोगन प्रतियोगिता में स्वीटी कुमारी और अंशु कुमारी संयुक्त रूप से प्रथम रहीं, मनीषा द्वितीय तथा अन्नु और आदित्य तृतीय स्थान पर रहे। स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव सह कार्यक्रम निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का मुख्य उद्देश्य 2030 तक भारत से बाल विवाह जैसी कुरीतियों को जड़ से समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों में बाल विवाह के विरुद्ध समझ विकसित करना और उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाना है। सफल प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। वैशाली में बाल विवाह को रोकने की दिशा में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और संस्थान द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संस्थान ने अब तक जिले में सैकड़ों बाल विवाह, बाल-श्रम और बाल-तस्करी जैसी घटनाओं को रोकने में सफलता प्राप्त की है।

हाजीपुर में कफ सिरप कंपनी पर ताला

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक कफ सिरप कंपनी पर ताला लगा दिया गया है। यह कार्रवाई तेलंगाना में कंपनी के कफ सिरप पर प्रतिबंध लगने के बाद की गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कंपनी के गेट पर कई दिनों से ताला लटका हुआ है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार, इस दवा कंपनी पर जल्द ही कार्रवाई की जा सकती है। ट्राइडेंट रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड नामक इस उद्योग में बनाए जा रहे सिरप का सैंपल अक्टूबर माह में सेंट्रल ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा लिया गया था। हाल ही में आई रिपोर्ट में 'अल्मोंट-किड' और 'एथिलीन ग्लाइकोल' जैसे घातक रसायनों की मौजूदगी पाई गई है। रिपोर्ट सामने आने के बाद, केंद्रीय औषधि नियंत्रक ने इस दवा की बिक्री, वितरण और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह दवा बच्चों को एलर्जी के लक्षणों जैसे नाक बहना, छींकना, खुजली और आंखों में पानी आने के लिए दी जाती थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, एथिलीन ग्लाइकोल एक अत्यंत विषैला रसायन है, जिसका सेवन बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। इससे पहले, तमिलनाडु में निर्मित एक सिरप में इसी रसायन की मिलावट पाए जाने पर मध्य प्रदेश में कुछ महीने पहले कई बच्चों की मौत का मामला सामने आ चुका है। हाजीपुर की ट्राइडेंट रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बनाई गई दवा के एक विशेष बैच एएल-24002 की गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट में गंभीर खामियां मिली हैं। इस बैच में एथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 1.4876 प्रतिशत पाई गई। विशेषज्ञों के अनुसार, यह तत्व शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने बताया कि कंपनी की यह दवा बिहार के केवल किशनगंज में बहुत कम मात्रा में सप्लाई की गई थी। लेकिन चूंकि केंद्रीय औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा लिये गये सैंपल में खामी मिली थी, तो केंद्रीय औषधि नियंत्रण द्वारा सभी राज्यों को इस दवा के संबंध में कार्रवाई का निर्देश दिया गया था, उसी निर्देश के आलोक में यह प्रतिबंध लगा है। हालांकि बताया जाता है कि कंपनी द्वारा सप्लाई किये गये इस बैच की दवाओं को वापस लिया जा रहा है।

ट्रक ने साइकिल सवार को कुचला, बच्ची की हुई मौत

लोकतंत्र की शान , पटना

मुआवजे की मांग पर अड़े परिजन, घंटों रहा सड़क जाम

बिहटा थाना क्षेत्र के विशंभरपुर मोड़ के पास मंगलवार दोपहर ट्रक ने साइकिल सवार को कुचल दिया। इस हादसे में साइकिल पर सवार 5 साल की बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बच्ची के नाना भी इस घटना में घायल हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने सड़क जाम कर दी और पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग करने लगे। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। बच्ची की मौत से परिवार में गहरा शोक है। मृतक बच्ची की पहचान पवन कुमार की पांच वर्षीय पुत्री आंचल कुमारी उर्फ भोली के रूप में हुई है।

परिवार ने मांगा मुआवजा: बच्ची के पिता पवन कुमार ने बताया कि मेरी बच्ची अपने नाना के साथ साइकिल से नानी घर जा रही थी। तभी हादसा हुआ है। सरकार प्रशासन से मांग है कि हमें मुआवजा दे ताकि परिवार चल सके। जाम की सूचना मिलने पर थाने पुलिस की टीम और दानापुर डीएसपी 2 अमरेंद्र कुमार झा भी मौके पर पहुंचे।

हंगामा कर रहे लोगों को काफी समझाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अस्पताल भेजा गया। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि घटना के बाद जाम लग गया था। यातायात को चालू किया गया। फिलहाल फरार ट्रक की तलाश में पुलिस की टीम लगी हुई है।

शहीद चौक पर नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर भाजपा ने मनाया जश्न

लोकतंत्र की शान , सुमन सिंह कटिहार

कटिहार: विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने बिहार के लाल युवा हृदय सम्राट नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाऐ जाने की घोषणा के बाद पूरे देश के साथ-साथ कटिहार में भी मंगलवार को शहीद चौक पर जश्न का माहौल देखने को मिला।वही भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष मनोज राय के नेतृत्व में जिले के तमाम भाजपा परिवार शहीद चौक पर इकठ्ठा होकर जश्न मनाते हुऐ किसी ने पटाखे फोड़कर तो किसी ने अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशी का इजहार करते नजर आए। मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री निखिल चौधरी,बबन झा,बबलू गुप्ता ,बिट्टू घोष,श्वेता राय, छाया तिवारी, रीना झा, दिलीप चंद्रवंशी,महेंद्र झा प्रियंका सिंह,सौरभ मालाकार, भास्कर सिंह,राम यादव ,प्रमोद महतो,हितेश शर्मा,विजय सिह शेखर जयसवाल नगर अध्यक्ष राजेश शर्मा व निलेश ठाकुर विकास सिंह, मोसमसिंह,गंगा चंद्रवंशी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर नितिन नवीन को किसान मोर्चा के क्षेत्रीय प्रभारी हितेश शर्मा ने बधाई दी

लोकतंत्र की शान , सुमन सिंह कटिहार

कटिहार: विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व ग्रहण करने पर बिहार के गौरव, असंख्य कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्त्रोत श्री नितिन नबीन जी को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। बधाई देने वालों में भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय प्रभारी हितेश कुमार शर्मा,भाजपा जिला कार्यसमिति के सदस्य विजय कुमार सिंह, युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार ठाकुर,आशीष कुमार श्रीवास्तव,आशीष कुमार,राजेश कुमार मिश्रा, एवं कई अन्य नेता ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वही किसान मोर्चा के क्षेत्र प्रभारी हितेश शर्मा ने बताया कि बिहार की धरती गर्व और उल्लास से अभिभूत है। पूरे देश में कार्यकर्ता अपने युवा ऊर्जावान और यशस्वी नेतृत्व के सम्मान में रंग, गुलाल और मिठाइयों के साथ उत्सव मना रहे हैं।सौम्य व्यक्तित्व, मृदुभाषी स्वभाव, दक्ष रणनीतिकार और कुशल संगठनकर्ता श्री नितिन नबीन जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी निश्चित ही संगठनात्मक सशक्तिकरण और जनसेवा की नई ऊँचाइयों को स्पर्श करेगी। जिनके साथ युवा मोर्चा में वर्षो तक कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, उनका आज पार्टी के सर्वोच्च दायित्व पर आसीन होना हम सभी के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष की बात है।

विकास भवन के सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित

लोकतंत्र की शान , सुमन सिंह कटिहार

कटिहार: आगामी सरस्वती पूजा को देखते हुए शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए एक शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक विकास भवन के सभागार में हुई, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने की। बैठक में पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, समाजसेवी और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी से सरस्वती पूजा को आपसी भाईचारे शांति और अनुशासन के साथ मनाने की अपील की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पूजा पंडालों और विसर्जन के दौरान किसी भी गतिविधि से शांति व्यवस्था भंग नहीं होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति या समूह के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने युवा वर्ग से पर्व को जिम्मेदारी और संयम के साथ मनाने की अपील भी की। पुलिसअधीक्षक ने स्पष्ट किया कि सरस्वती पूजा के दौरान डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। किसी भी पूजा समिति को बिना लाइसेंस के आयोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बेउर जेल में घर की छत से फेंकते थे गांजा, जेल में बंद कुख्यात कैदियों में करता सप्लाई, 4 गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान , पटना

गांजा, कैश समेत अन्य चीजें जब्त

पटना पुलिस ने बेउर जेल के अंदर गांजा और स्मैक की सप्लाई करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा, नकदी और अन्य सामान बरामद किए हैं। यह गिरोह पटना और आसपास के इलाकों के साथ-साथ जेल के अंदर भी मादक पदार्थों की आपूर्ति करता था। पुलिस ने जेल से सटे एक मकान की पहचान की है, जिसका इस्तेमाल अपराधी जेल के अंदर मादक पदार्थ फेंकने के लिए करते थे।

जेल का कैदी था सप्लायर: जेल के अंदर कैदी विक्की कुमार इस मादक पदार्थ का मुख्य सप्लायर था। वह बाहर से प्राप्त मादक पदार्थों को अन्य कैदियों तक पहुंचाता था। पुलिस ने जेल प्रशासन को चिह्नित मकान पर कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। साथ ही, जेल प्रशासन को जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने का सुझाव भी दिया गया है। सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि बेउर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि बेउर अखाड़ा के पास कुछ अपराधी मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर शैलेंद्र मिस्त्री और गोविंद चौधरी नामक दो युवकों को गिरफ्तार किया।

जेल प्रशासन से भी संपर्क करेगी पुलिस: पूछताछ में उन्होंने बताया कि दुल्हिन बाजार के लाल भदसारा निवासी धनंजय कुमार गांजा की सप्लाई करता है। धनंजय की गिरफ्तारी के बाद उसने बताया कि बेउर जेल से सटे घर का मालिक जितेंद्र कुमार इस पूरे सिंडिकेट का मास्टरमाइंड है।

जितेंद्र के घर की ऊंची छत से बेउर जेल के अंदर गांजा फेंका जाता था। पुलिस ने जितेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर पूछताछ किया तो जितेंद्र ने बताया कि जेल के अंदर कुख्यात अपराधी विक्की कुमार को वह अपने छत से फेंक कर गांजा की सप्लाई किया करते हैं। सिटी एसपी ने बताया कि यह वही कुख्यात विक्की कुमार अपराधी है, जिस पर एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। इस मामले को लेकर सिटी एसपी ने बताया कि जेल प्रशासन से संपर्क स्थापित किया जा रहा है।

कटिहार में नई बाइक सर्विसिंग गैरेज का शुभारंभ

लोकतंत्र की शान , सुमन सिंह कटिहार

कटिहार: नगर निगम क्षेत्र के महमूद चौक,डी.एस.कॉलेज रोड स्थित हुसैनाबाद मोड़ के पास पप्पू गैराज बाइक सर्विसिंग सेंटर का शुभारंभ किया गया। इस नए सेंटर के खुलने से अब स्थानीय लोगों को अपने दो पहिया वाहनों की सर्विसिंग और रिपेयरिंग के लिए एक नया विकल्प मिल गया है।पप्पू गैराज के प्रोपराइटर पप्पू ने बताया कि उनके यहां सभी प्रकार के दो पहिया वाहनों की रिपेयरिंग और सर्विसिंग की जाती है।उन्होंने कहा कि शोरूम जैसी सर्विस लोगों को कम खर्च में यहां उपलब्ध है। पप्पू ने आगे बताया कि उनके गैरेज में अनुभवी मैकेनिकों की टीम है, जो दो पहिया वाहन को ठीक करने में पूरी तरह से सक्षम हैं।

पप्पू गैराज की विशेषताएं:- सभी प्रकार की दो पहिया वाहन सर्विसिंग चाहे वह स्कूटर हो, बाइक हो या फिर कोई अन्य दो पहिया वाहन।कम खर्च में शोरूम जैसी सर्विस जिससे लोगों को अपने दो पहिया वाहनों की सर्विसिंग और रिपेयरिंग करवाने में आसानी होगी। रिपेयरिंग और सर्विसिंग की सुविधा अनुभवी मैकेनिकों की टीम के द्वारा किया जाता है।जो आपके दो पहिया वाहन को ठीक करने में पूरी तरह से सक्षम है।

पटना-1 साल के बच्चे का कटा मिला सिर, धड़ को तलाश रही पुलिस

ग्रामीणों ने जताई नरबलि की आशंका, एसआईटी करेगी जांच

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के फतुहा में सोमवार की रात कच्ची दरगाह स्थित मजार के पीछे गंगा नदी की ओर जाने वाली ढलाई सड़क से पुलिस ने 1 साल के बच्चे का कटा सिर बरामद किया है। बच्चे के सिर पर ग्रामीणों की पहले नजर पड़ी थी। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय ग्रामीण नरबलि की आशंका जता रहे हैं। पुलिस के अनुसार मासूम की हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई। साक्ष्य मिटाने के लिए शव को गंगा नदी के किनारे फेंक दिया गया, जहां से आवारा कुत्ते सिर वाले हिस्से को खींचकर मुख्य सड़क तक ले आए। पुलिस को अभी धड़ नहीं मिला है।

सिर को किसी धारदार हथियार से धड़ से अलग किया गया है। कान और बालों पर ताजे खून के धब्बे लगे हुए थे और चेहरे पर मिट्टी लिपटी हुई थी। घटना नदी थाना क्षेत्र की है।

पुलिस पहचान में जुटी: मौके पर मौजूद भीड़ के बीच यह चर्चा आम रही कि मासूम को किसी तांत्रिक क्रिया या अंधविश्वास के कारण 'नरबलि' का शिकार बनाया गया है। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी इस तरह की बात नहीं की जा रही है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। FSL की टीम ने की जांच की है। बच्चे की पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। विशेषज्ञों की टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। नदी थाना के अपर थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि शव के अवशेष को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए पटना भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि हत्या कब और किस प्रकार की गई है।

जेवर से भरे बैग लूट ले गए बदमाश विरोध करने पर चलाई गोली

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के चित्रगुप्त नगर इलाके में लूट हुई है। बदमाशों ने राजेंद्र नगर मेन रोड के पास हथियार के बल पर जेवर से भरे बैग कारोबारी से लूट लिए। बैग में 20 लाख के जेवर थे। फायरिंग भी की गई है। हालांकि कारोबारी बाल-बाल बच गए।

पीड़ित कारोबारी रवि कुमार ने चित्रगुप्त नगर थाने में शिकायत की गई है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान में जुटी है।

पिता को रेलवे स्टेशन से रिसीव करने गए थे: पीड़ित वैशाली के हाजीपुर में रहते हैं। हाजीपुर में ही उनकी सोने की 3 दुकानें हैं। उनके पिता आभूषण लाने के लिए कोलकाता गए हुए थे। 18 जनवरी की सुबह वह दानापुर हावड़ा एक्सप्रेस से राजेंद्र नगर टर्मिनल पर पहुंचे। उनके साथ 2 बैग था। एक कर्मी भी था। कर्मी के साथ वे दोनों बैग लेकर स्टेशन पर उतरे। पिता के स्टेशन पर आने के बाद रवि रिसीव करने के लिए कार से पहुंचे थे। जैसे ही वह आगे बढ़े देखा कि हथियार से लैस अपराधी पिता के साथ लूटपाट कर रहे थे। वह उनसे दोनों बैग लूटने का प्रयास कर रहे थे। वह मौके पर पहुंच और इसका विरोध करने लगे। अपराधियों ने लूटपाट का विरोध करने पर रवि पर फायरिंग कर दी।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

गोली उनके बगल से गुजर गई। अपराधियों की उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच बताई गई, जो हेलमेट पहने हुए थे। अपराधियों ने दूसरी बाद फायरिंग का प्रयास किया, तब मैगजीन ही गिर गई। तब अपराधियों ने पिस्टल के बट से रवि के सिर पर हमला कर दिया। एक बैग लूटकर सभी फरार हो गए।

ख़ास ख़बर

यमुनानगर : कश्मीरी शॉल विक्रेताओं से बदसलूकी, धार्मिक नारे लगाने का दबाव

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर जिले के थाना छप्पर क्षेत्र के गांव कलावड़ में कश्मीर से आए दो शॉल विक्रेताओं के साथ कथित तौर पर बदसलूकी और धार्मिक नारे लगाने का दबाव बनाए जाने का मामला सामने आया है। इस घटनाक्रम जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार नजीर अहमद ख्वाजा और इम्तियाज अहमद लोन सोमवार को गांव-गांव शॉल और चादरें बेचने के लिए पहुंचे थे, जहां कुछ स्थानीय युवकों ने उनकी पहचान को लेकर सवाल उठाते हुए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया और उन्हें धमकाया। आरोप है कि उनसे जबरन 'जय श्रीराम' और 'भारत माता की जय' जैसे नारे लगवाने की कोशिश की गई, जिससे मौके पर कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया। वीडियो में कश्मीरी युवक यह कहते हुए सुना जा सकता है कि धर्म हर व्यक्ति का निजी विषय है और वह भारतीय है, जिसे अपनी देशभक्ति साबित करने के लिए किसी नारे के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। घटना की जानकारी फैलने पर गांव के कुछ जिम्मेदार लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को शांत कराया, जिसके बाद दोनों युवक वहां से चले गए। इस मामले की सोशल मीडिया पर व्यापक निंदा हो रही है। थाना छप्पर के एसएचओ वेदपाल के अनुसार, घटना सोमवार दोपहर की बताई जा रही है, लेकिन पुलिस को अब तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है, जिस कारण फिलहाल कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण बना था लेकिन बाद में विवाद शांत हो गया।

राजस्थान में 22 से सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ, बारिश-आंधी के साथ मावठ की संभावना

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राजस्थान में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 22 जनवरी से राज्य में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभावी होने की संभावना जताई है। इसके चलते प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाने, तेज आंधी चलने, बिजली चमकने और हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने इसे देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश में मावठ का दौर शुरू हो सकता है, जिससे तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार यह इस सर्दी सीजन की पहली अच्छी मावठ हो सकती है। मंगलवार सुबह जयपुर, भिवाड़ी, बीकानेर, सीकर सहित कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा। जयपुर शहर के मालवीय नगर, जगतपुरा, ट्रांसपोर्ट नगर सहित अन्य इलाकों में सुबह तक धुंध और कोहरे का असर रहा। कोहरे के कारण विजिबिलिटी काफी कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सीकर जिले में हालात गंभीर रहे। रानोली क्षेत्र में खेत कोहरे की मोटी चादर में ढके नजर आए। यहां विजिबिलिटी मात्र 50 से 60 मीटर तक सीमित रही। मौसम में बदलाव का असर तापमान पर भी साफ नजर आया। सोमवार को जयपुर, अजमेर और भरतपुर संभाग में अधिकतम तापमान में हल्की गिरावट हुई, जिससे दिन में भी सर्दी का अहसास बढ़ गया। बादलों और धुंध के कारण धूप कमजोर रही और कई इलाकों में दोपहर के समय हल्का अंधेरा-सा माहौल बन गया। सीकर में न्यूनतम तापमान में करीब चार डिग्री से अधिक की गिरावट हुई। सोमवार को जहां न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस था, वहीं मंगलवार को यह घटकर 4.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कोहरे और स्थिर मौसम के कारण प्रदेश के कई शहरों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब हो गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार जयपुर सहित कई जिलों में शीतलहर और कोहरे का असर आने वाले कुछ दिनों तक बना रह सकता है। वहीं, अगले एक सप्ताह तक बैक-टू-बैक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहने की संभावना है, जिससे ओलावृष्टि और बारिश का सिलसिला चल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सर्दी सीजन में दिसंबर में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ कम रहे, इसलिए ठंड ज्यादा नहीं पड़ी। जनवरी में पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के बाद ठंड ने जोर पकड़ा और अब मावठ से ठंड और बढ़ने के आसार हैं।

जयपुर में कंटेनर से भिड़ी कार, तीन लोगों की मौत, पांच घायल

लोकतंत्र की शान : जयपुर। जयपुर के चंदवाजी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर मंगलवार सुबह एक कार की कंटेनर ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हैं। चंदवाजी थानाधिकारी हीरालाल सैनी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर सुबह करीब 11 बजे एक तेज रफ्तार कार पीछे से खड़े कंटेनर ट्रक से जा टकराई। कार में महिला-बच्चों सहित आठ लोग सवार थे। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच घायलों को गंभीर हालत में निम्स हॉस्पिटल भिजवाया गया है। सभी लोग उत्तरप्रदेश के रायबरेली और वाराणसी के रहने वाले हैं और एक परिवार के हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद हाइवे पर वाहनों की लंबी कतार लगने से जाम लग गया। जाम खुलवाकर यातायात बहाल करवाया गया है। पुलिस के अनुसार कार चालक को नींद की झपकी आने से हादसा होने की आशंका है। फिलहाल दुर्घटना के स्पष्ट कारणों का पता लगाया जा रहा है।

तेज रफ्तार डंपर ने पैदल चल रहे युवक को कुचला

लोकतंत्र की शान : हल्द्वानी। नगर में ट्रेंचिंग ग्राउंड के पास मंगलवार को तेज रफ्तार डंपर ने पहले एक कार को टक्कर मारी और फिर सड़क किनारे पैदल चल रहे एक युवक को कुचल दिया। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस के जरिए तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मृतक और दोनों घायल नैनीताल जिले के निवासी हैं। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर चालक से पूछताछ शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

सोशल मीडिया पर नकली पिस्टल के साथ वीडियो बनाकर अपलोड करने का आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : हरिद्वार। व्यूज और वायरल होने के चक्कर में नकली पिस्टल के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपालोड करना एक युवक को भारी पड़ गया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने की ज्वालापुर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली। वीडियो में एक व्यक्ति पिस्टल का प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र में भय का माहौल उत्पन्न करता दिखाई दे रहा था। सूचना के आधार पर सोशल मीडिया पर अपलोड वीडियो की जांच की गई, जिसमें वीरेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय ओमी सिंह, निवासी मोहनपुर, थाना मण्डावली, जिला बिजनौर (उ.प्र.), हाल निवासी गली नंबर-1, सुभाष नगर, कोतवाली ज्वालापुर, जनपद हरिद्वार वीडियो में पिस्टल प्रदर्शित करता हुआ पाया गया। इस मामले में आरोपित को पूछताछ के लिए बुलाया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने प्लास्टिक की नकली पिस्टल दिखाकर वीडियो बनाया था। पिस्टल का निरीक्षण करने पर वह नकली पाई गई। आरोपी द्वारा भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर क्षेत्र का माहौल खराब करने का प्रयास किया गया, जिससे चलते पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धारा 170 बीएनएस के अंतर्गत गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है।

नगर निगम एवं यातायात पुलिस का संयुक्त अतिक्रमण विरोधी अभियान

» मिशन चौक–जगन्नाथ चौक मार्ग पर 26 वाहन जप्त, 3500 रुपये जुर्माना

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। नगर में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम कटनी एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से अतिक्रमण विरोधी अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार देर शाम मिशन चौक से जगन्नाथ चौक तक के मुख्य मार्ग पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मार्ग के दोनों ओर अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों तथा दुकानों के बाहर रखी सामग्री के कारण यातायात बाधित पाया गया। संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए लगभग 26 वाहनों को जप्त किया गया तथा सार्वजनिक मार्ग पर सामग्री रखकर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध 3500 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया। इस कार्रवाई से मुख्य मार्ग पर यातायात व्यवस्था सुचारू हुई एवं नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त हुई। अभियान के दौरान संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में अतिक्रमण न करने की सख्त समझाइश दी गई, साथ ही पुनरावृत्ति की स्थिति में कठोर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। पुलिस बल की मौजूदगी में अभियान शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया गया। इस दौरान यातायात प्रभारी श्री राहुल पांडे, अतिक्रमण प्रभारी श्री मानेंद्र सिंह सहित नगर निगम के अतिक्रमण अमले एवं यातायात पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिक्रमण प्रभारी श्री मानेंद्र सिंह ने बताया कि नगर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

फरीदाबाद : पुरानी रंजिश में बदमाशों ने मकान पर चलाई गोलियां, छह खोल बरामद

लोकतंत्र की शान

फरीदाबाद। मुजेडी गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक परिवार के घर के बाहर बदमाशों ने खुलेआम छह राउंड गोलियां चलाईं, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि इस घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई। मिली जानकारी के अनुसार, गांव में दबंगई दिखाने वाले रोहित कपासिया ने अपने भाई राहुल और साथियों नितिन व तुली के साथ मिलकर सोमवार देर रात यह वारदात की। बताया गया है कि करीब एक साल पहले सतपाल के छोटे भाई जितेंद्र का राहुल के साथ एक होटल में झगड़ा हुआ था। इसी पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपी देर रात कार में सवार होकर सतपाल और जितेंद्र के घर पहुंचे। आरोपियों ने पहले गली में गाली-गलौज की और शोर मचाया, इसके बाद घर के बाहर हवाई फायरिंग कर दी और फिर गोली चलाकर मौके से फरार हो गए। फायरिंग के दौरान एक गोली घर की छत की दीवार में जा फंसी, जबकि पांच खाली कारतूस मौके पर गिर गए। गोलियां चलाने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से पांच खाली खोल बरामद किए, जबकि दीवार में फंसी गोली को सुबह निकाला गया। आईएमटी चौकी इंचार्ज भूपेंद्र कुमार ने बताया कि यह फायरिंग पुरानी रंजिश के चलते की गई है। गोली चलाने वाले आरोपी नवादा गांव के रहने वाले हैं। उनके खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच की टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी रोहित कपासिया के खिलाफ पहले से ही लड़ाई-झगड़े और मारपीट के पांच से छह मुकदमे दर्ज हैं। उल्लेखनीय है कि 14 जनवरी की रात रोहित के घर पर भी फायरिंग की घटना हुई थी, जहां गौरव नाम के युवक ने तीन राउंड गोलियां चलाई थीं। हालांकि वह मामला अलग बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस दोनों मामलों को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

यमुनानगरः प्लाईवुड फैक्ट्री में प्रवासी मजदूर की मौत, लापरवाही का आरोप

लोकतंत्र की शान

यमुनानगर। यमुनानगर की एक प्लाईवुड फैक्ट्री में कार्य के दौरान प्रवासी मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिहार निवासी 35 वर्षीय अमित के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए करंट लगने से मौत होने की आशंका जताई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल यमुनानगर की मोर्चरी में भिजवाया। जानकारी के अनुसार, अमित पिछले करीब आठ वर्षों से जोड़ियों गुरुद्वारे के समीप स्थित एक प्लाइवुड फैक्ट्री में कार्यरत था और नवाब कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहा था। वह चार बच्चों का पिता था। मृतक के रिश्तेदार सुनील ने बताया कि सोमवार रात फैक्ट्री में एक मशीन खराब हो गई थी, जिसे कई कर्मचारियों ने मिलकर ठीक किया। इसके बाद जब अमित दिखाई नहीं दिया तो उसकी तलाश शुरू की गई। कुछ ही देर में वह फैक्ट्री परिसर में जमीन पर पड़ा मिला। सहकर्मी उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि फैक्ट्री में सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण अमित को करंट लगा, जिससे उसकी जान चली गई। वहीं पुलिस का प्रारंभिक पक्ष इससे अलग सामने आया है। जांच अधिकारी लाभ सिंह के अनुसार, शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि अमित गले में गमछा डाले ग्रेडर मशीन के पास काम कर रहा था। इसी दौरान गमछा मशीन में फंस गया, जिससे हादसा हुआ। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर में मृतक के परिजनों और सहकर्मियों ने जमकर हंगामा किया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

"पुरी, गंगासागर के साथ 02 ज्योतिर्लिंग (बाबा बैद्यनाथ एवं काशी विश्वनाथ) यात्रा" के लिए रवाना होगी आई.आर.सी.टी.सी की भारत गौरव पर्यटक ट्रैन"

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

जबलपुर। मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। जो दिनांक 10.04.2026 को इंदौर शहर से "पुरी, गंगासागर के साथ 02 ज्योतिर्लिंग (बाबा वैद्यनाथ एवं काशी विश्वनाथ) यात्रा" के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन मध्यप्रदेश इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी एवं अनूपपुर स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे। 10 रातें 11 दिनों की इस यात्रा में पुरी, गंगासागर, गया, वाराणसी एवं अयोध्या के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इसके लिए यात्रियों को महज रु. 19,990/- प्रति व्यक्ति (SL इकॉनामी श्रेणी), रु. 32,800/- प्रति व्यक्ति (3AC - स्टैण्डर्ड श्रेणी) एवं रु. 43,250/- प्रति व्यक्ति (2AC कम्फर्ट श्रेणी) का खर्च उठाना होगा। आईआरसीटीसी, इस सर्व समावेशी टूर की पेशकश कर रहा है, जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक्त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में दूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है। इक्छुक पर्यटक इसकी बुकिंग आई आर सी टी सी की वेबसाइट www.irctctourism.com पर ऑनलाइन व अधिकृत एजेंट से भी करा सकते है। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी व बुकिंग के लिए आई.आर.सी.टी.सी. के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेल्वे स्टेशन कार्यालय पर संपर्क कर सकते है।

चित्तौड़गढ़ पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी वाहन नीलामी, 281 वाहनों से 96 लाख रुपए से अधिक का राजस्व

लोकतंत्र की शान

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ पुलिस की ओर से ऑपरेशन 'काया कल्प' के अंतर्गत जब्त एवं लावारिस वाहनों की अब तक की सबसे बड़ी सार्वजनिक खुली नीलामी संपन्न हुई। नीलामी में 281 वाहन शामिल किए गए। इनमें सरकारी राजकोष को 96 लाख रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। इस नीलामी में मादक पदार्थों की तस्करी में जब्त 56 वाहन तथा पुलिस अधिनियम के अंतर्गत जब्त 225 वाहन सम्मिलित थे। संपूर्ण प्रक्रिया सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से पूर्ण पारदर्शिता, खुली प्रतिस्पर्धात्मक बोली एवं नियमानुसार आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि वर्षों से पुलिस थानों एवं चौकियों में खड़े लावारिस, अनुपयोगी एवं निस्तारण योग्य दोपहिया, तिपहिया एवं चारपहिया वाहनों का विधिसम्मत निस्तारण इस नीलामी के माध्यम से किया गया। नीलामी से पूर्व वाहनों की सूची सार्वजनिक कर बोलीदाताओं को भौतिक निरीक्षण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। सोमवार को निम्बाहेड़ा स्थित वंडर सीमेंट टाउन हॉल में आयोजित नीलामी में बड़ी संख्या में आमजन एवं कबाड़ व्यवसायियों ने भाग लिया। खुली बोली प्रक्रिया के तहत प्रत्येक वाहन उच्चतम बोलीदाता को नीलाम किया गया। संपूर्ण कार्रवाई संबंधित अधिकारियों की निगरानी में संपन्न हुई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सरिता सिंह ने बताया कि ऑपरेशन 'कायाकल्प' के तहत आयोजित इस नीलामी से 96 लाख रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में चित्तौड़गढ़ पुलिस की और से मादक पदार्थों के मामलों में जब्त 216 वाहनों की नीलामी से 3 करोड़ रुपए से अधिक की रिकॉर्ड आय अर्जित की गई थी, जो राजस्थान में सर्वाधिक है। इस नीलामी से पुलिस परिसरों में वर्षों से खड़े वाहनों का स्थायी समाधान हुआ है, जिससे स्थान की समस्या दूर होने के साथ-साथ प्रशासनिक कार्य प्रणाली अधिक सुव्यवस्थित हुई है। साथ ही खुले में खड़े वाहनों से उत्पन्न पर्यावरणीय एवं सुरक्षा संबंधी समस्याओं से भी राहत मिली है। जिला पुलिस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऑपरेशन 'कायाकल्प' के अंतर्गत इस प्रकार की नीलामी कार्रवाइयाँ नियमित रूप से, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ जारी रहेगी। नीलामी के दौरान एडीएम (भू-अवाप्ति) रामचन्द्र खटीक, एएसपी चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह, उपकोष कार्यालय निम्बाहेड़ा से कैलाश भराडिया, परिवहन विभाग निरीक्षक किशनलाल, पुलिस निरीक्षक जोधाराम गुर्जर, वरिष्ठ लेखाकार शैलेश बोरीवाल, एएसआई मनोज आमेठा सहित संबंधित अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

राजस्थान युवा कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी भंग

लोकतंत्र की शान

RAJASTHAN YOUTH CONGRESS

जयपुर। राजस्थान युवा कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। युवा कांग्रेस प्रदेश प्रभारी विकास चिकारा, सह-प्रभारी ज्ञानेश शुक्ला और कपिल देसाई के हस्ताक्षरों से यह आदेश मंगलवार को जारी किया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि संगठन के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार यह कदम उठाया गया है। आदेशानुसार शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार राजस्थान युवा कांग्रेस के समस्त निर्वाचित व मनोनीत प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, प्रदेश सचिव, प्रदेश संयुक्त सचिव सहित समस्त प्रदेश कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से बंद किया गया जाता है। इस फैसले के बाद प्रदेश संगठन में हड़कंप मच गया है। युवा कांग्रेस के प्रभारी की रिपोर्ट के बाद कार्यकारिणी भंग की गई है। युवा कांग्रेस संगठन में ज्यादातर पदाधिकारी सक्रिय नहीं थे। माना जा रहा है कि संगठन को सक्रिय और प्रभावी बनाने के लिए इस बार नए चेहरों और जमीनी कार्यकर्ताओं को अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। प्रदेश कार्यकारिणी भंग होने के बाद फिलहाल राजस्थान युवा कांग्रेस का सम्पूर्ण कामकाज प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया, कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर शूरा और सुधींद्र मूंड देखेंगे। आदेश में यह भी कहा गया है कि नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन जल्द किया जाएगा।

पीपीपी मॉडल के विरोध में कटनी वासियों द्वारा मशाल जुलूस निकाला

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः दिनांक 19 तारीखपीपीपी मॉडल के विरोध में कटनी वासियों द्वारा मशाल जुलूस निकाला सोमवार को दिलबहार चौक स्टेशन से मिशन चौक तक पीपीपी मॉडल के विरोध में कटनी वासियों द्वारा मशाल जुलूस निकाला गया।जिसका समापन मिशन चौक में किया गया.. जिसमें महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रजनी वर्मा .एडवोकेट संदीप नायक श्री विदेश्वरी पटेल , श्री राजा जगवानी श्री जालिम यादव पंडित अभय गौतम प्रदीप द्विवेदी एडवोकेट आशीष कुशवाहा ,एवं और भी अन्य नगर वासियों की उपस्थिति रही,

किसानों का फूटा गुस्सा, गन्ना कांटा न लगने पर आत्मदाह की चेतावनी

लोकतंत्र की शान

हरिद्वार। लक्सर क्षेत्र के लालचंदवाला गांव के किसानों ने गन्ने का कांटा लगाए जाने की मांग पूरी न होने पर कड़ा रुख अपनाते हुए आत्मदाह की चेतावनी दी है। मनोज, नितिन, बच्चन सिंह, नीतू, विनोद प्रधान, शुभम, विशेष दीपक भोलू आदि किसानों का कहना है कि वे लंबे समय से अपने गांव में लिब्बाहेड्डी शुगर मिल का गन्ना कांटा लगाए जाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी उनकी बात सुनने को तैयार नहीं हैं। किसानों ने बताया कि इस संबंध में वे गन्ना मंत्री सौरभ बहुगुणा और राज्य गन्ना मंत्री श्यामवीर सैनी से भी मुलाकात कर चुके हैं। दोनों जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने लेटर पैड पर गन्ना कांटा लगाए जाने के लिए गन्ना आयुक्त को आदेशित भी किया था। इसके बावजूद न तो डीसीओ हरिद्वार और न ही गन्ना आयुक्त उत्तराखंड ने इस दिशा में कोई कार्रवाई की। किसानों का आरोप है कि वे कई बार गन्ना आयुक्त काशीपुर कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन पिछले दो-तीन महीनों से उनकी सुनवाई पूरी तरह से बंद है। इससे किसानों में भारी रोष व्याप्त है। किसानों ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही उनकी मांग पूरी नहीं की गई तो वे गन्ना आयुक्त कार्यालय का घेराव करेंगे और मजबूरन आत्मदाह जैसा कदम उठाने को विवश होंगे। ग्रामीण किसानों की इस चेतावनी से प्रशासन में हड़कंप मच गया है, वहीं अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि जिम्मेदार अधिकारी कब तक किसानों की समस्या का समाधान करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ग्रीनलैंड का फ्यूचर स्विट्जरलैंड में तय करेंगे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को NATO चीफ मार्क रूट से फोन पर बात की है। बातचीत में ग्रीनलैंड के मुद्दे पर स्विट्जरलैंड के दावोस बैठक बुलाने का फैसला लिया गया। हालांकि उन्होंने बैठक की तारीख नहीं बताई। ट्रम्प ने रूट को साफ तौर पर बताया कि ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि दुनिया में शांति ताकत के जरिए ही कायम की जा सकती है और अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया 'ट्रुथ सोशल' पर एक मैप भी शेयर किया, जिसमें कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को अमेरिका का हिस्सा दिखाया गया। ट्रम्प ने बताया कि इस मुद्दे (गाजा) पर NATO चीफ मार्क रूट से उनकी फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई है। बातचीत के बाद अलग-अलग पक्षों के साथ स्विट्जरलैंड के दावोस में बैठक करने पर सहमति बनी है। ट्रम्प ने अमेरिका को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बताया। उन्होंने कहा कि ताकत के जरिए ही दुनिया में शांति कायम की जा सकती है और यह क्षमता सिर्फ अमेरिका के पास है।

अमेरिका में 100 से ज्यादा गाड़ियां आपस में टकराईं,बर्फीले तूफान की वजह से हादसा, 30 से ज्यादा ट्रक फंसे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में बर्फीले तूफान की वजह से बड़ा सड़क हादसा हुआ है। सोमवार को एक इंटरस्टेट हाईवे पर 100 से ज्यादा गाड़ियां आपस में टकरा गईं। कई गाड़ियां सड़क से फिसल गईं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक 30 से ज्यादा सेमी-ट्रेलर ट्रक फंसे हुए हैं। हादसे के बाद पुलिस को हाईवे के दोनों तरफ का ट्रैफिक बंद करना पड़ा। यह दुर्घटना मिशिगन के ग्रैंड रैपिड्स शहर के दक्षिण-पश्चिम में इंटरस्टेट 196 पर हुई। मिशिगन स्टेट पुलिस के मुताबिक, हादसे में कई लोग घायल हुए हैं, लेकिन अब तक किसी की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए लोगों ने बताया कि बर्फीली हवा के चलते

आगे चल रही गाड़ियां भी मुश्किल से दिख रही थीं। एक पिकअप ड्राइवर ने बताया कहा कि वह 20 से 25 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चला रहे थे और किसी तरह अपना वाहन ट्रक रोक पाए। उन्होंने कहा पीछे से लगातार टकराने की आवाजें आ रही थीं। आगे तो दिख रहा था, लेकिन पीछे क्या हो रहा है, यह साफ नजर नहीं आ रहा था। हालात काफी डरावने थे। मिशिगन के ओटावा काउंटी शेरिफ ऑफिस ने बताया कि इलाके में कई जगह दुर्घटनाएं हुईं और कई ट्रक जैकनाइफ हो गए। कई कारें सड़क से फिसलकर बाहर चली गईं। फंसे हुए यात्रियों को बसों के जरिए हडसनविल हाई स्कूल ले जाया गया, जहां वे मदद के लिए कॉल कर सके या अपने घर जाने की व्यवस्था कर सके। अधिकारियों का कहना है कि सफाई और वाहनों को हटाने का काम पूरा होने तक सड़क कई घंटों तक बंद रह सकती है। प्रशासन ने चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने और जमी हुई सड़क का ट्रीटमेंट करने में कई घंटे लग सकते हैं, इस दौरान इंटरस्टेट-196 बंद रहेगी।

गोल्डन टेंपल सरोवर में कुल्ला करने वाले की दूसरी माफी

अमृतसर। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करने वाले मुस्लिम युवक ने दोबारा माफी मांगी है। युवक ने फिर यह तर्क दिया कि उसे मर्यादा का पता नहीं था। दूसरी बार माफी की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि पहली माफी के वीडियो में युवक ने जेब में हाथ डाल रखे थे। इस वजह से सिख श्रद्धालुओं को यह तरीका पसंद नहीं आया और कहा कि माफी मांगने का तरीका भी मर्यादित है। इसलिए अब जारी किए वीडियो में युवक ने हाथ जोड़कर माफी मांगी। हालांकि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) की तरफ से युवक के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं कराई गई है। इससे पहले जब गुजरात की युवती अर्चना मकवाना ने

गोल्डन टेंपल में योग किया था तो तब SGPC ने उस पर केस दर्ज करवा दिया था। इसको लेकर भी सोशल मीडिया पर SGPC के ऊपर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। सुब्हान रंगरीज ने इंस्टाग्राम पर अपनी 2 वीडियो शेयर की। एक वीडियो में वह पवित्र सरोवर में नंगे पैर डालकर बैठा है। इस दौरान वह 2-3 बार मुंह में पानी लेता है और एक बार उसी में थूक देता है। इस दौरान वह यह भी दिखाता है कि मेरे सामने ही गोल्डन टेंपल है। यह वीडियो बनाने से साफ है कि उसका मकसद यहां रील बनाना ही था। दूसरे वीडियो में वह कहता है कि मैं आज गोल्डन टेंपल, पंजाब आया था। भाई ऐसा हिंदुस्तान चाहिए, यहां पर सबने अपने सिर पर पगड़ी बांध रखी है। सारे अपने पंजाबी भाई हैं। सिर्फ मैंने सिर पर टोपी लगा रखी है, लेकिन किसी ने मुझसे ये नहीं पूछा कि भाई, तुमने टोपी क्यों लगा रखी है। क्योंकि हिंदू, मुस्लिम, सिख ईसाई, आपस में हैं भाई-भाई और भाई-भाई ही बनकर रहना चाहिए।

'ऑपरेशन त्राशी-I' में शहीद जवान पंचतत्व में विलीन

बागेश्वर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में 'ऑपरेशन त्राशी-I' में शहीद हुए बागेश्वर के हवलदार गजेंद्र सिंह गढ़िया का मंगलवार को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले हवलदार गजेंद्र सिंह का पार्थिव शरीर हेलिकॉप्टर से बागेश्वर लाया गया। हेलिकॉप्टर महाविद्यालय कपकोट स्थित हेलीपैड पर लैंड हुआ। पार्थिव शरीर पहुंचते ही पूरा क्षेत्र 'भारत माता की जय' और 'शहीद अमर रहें' के नारों से गूंज उठा। हेलीपैड पर शव को लेने शहीद की मां, पत्नी और पिता पहुंचे। तिरंगे में लिपटे बेटे के शव को देखकर मां बेहोश हो गई।

बाजार से निकाली शोक रैली: इस दौरान वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। परिजनों को सांत्वना देने के लिए प्रशासन और स्थानीय लोग आगे आए। इसके बाद शहीद को पूरे सम्मान के साथ ब्लॉक मुख्यालय होते हुए कपकोट बाजार से निकाला गया। सड़क के दोनों ओर खड़े हजारों लोगों ने पुष्प अर्पित कर अपने वीर सपूत को अंतिम सलाम किया। जयकारों के साथ शहीद की अंतिम यात्रा सरयू गंगा तट तक पहुंची, जहां पूरे विधि-विधान से उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। गजेंद्र सिंह गढ़िया ग्राम पंचायत बिथ्थी (पाण्याती) के रहने वाले थे। अधिकारियों के मुताबिक, आतंकियों के छिपे होने की आशंका में चल रहे अभियान के दौरान अचानक हुए ग्रेनेड हमले में वे घायल हो गए थे। छर्रे लगने से उन्हें गंभीर चोटें आईं और 18-19 जनवरी की रात को राज्य के एक सैन्य अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

राहुल बोले-मोदी गरीबों को भूखा मारना चाहते हैं, रायबरेली में कहा- देश का धन अंबानी-अडाणी को देना चाह रहे

रायबरेली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने रायबरेली दौरे पर हैं। उन्होंने कहा- नरेंद्र मोदी सारा पावर अपने हाथों में लेकर गरीबों को भूखा मारना चाहते हैं। मनरेगा से गांधी जी का नाम हटाकर उनका अपमान किया है। मगर मुख्य बात नाम बदलने की नहीं है। हमारी गरीब जनता को जो सुरक्षा दी गई थी, उसे मोदी सरकार ने खत्म कर दिया है। एक तरफ हम जनता की रक्षा कर रहे हैं, दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी देश का पूरा धन खींचकर अंबानी और अडाणी के हाथों में दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा को बचाने का आंदोलन कर रही है। हम मजदूरों की रक्षा के लिए मजबूती से उनके साथ खड़े हैं। राहुल ने मंगलवार सुबह कांग्रेस और सपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, फिर रायबरेली प्रीमियर लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने टीमों के खिलाड़ियों से मुलाकात की। टॉस के लिए सिक्का भी उछाला। इसके बाद राहुल ने चौपाल लगाई और मनरेगा मजदूरों से बात की। राहुल सोमवार देर रात रायबरेली पहुंचे थे। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राहुल गांधी अब तक 5 बार रायबरेली आ चुके हैं। यह उनका छठा दौरा है। इससे पहले, राहुल 10 सितंबर 2025 को रायबरेली दौरे पर आए थे।

आसिम मुनीर बोले-पाकिस्तान बनने का मकसद पूरा होने वाला है

एजेंसी, नई दिल्ली

इस्लामी देशों के बीच इसका खास दर्जा, इसकी अहमियत अब और बढ़ेगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने दावा किया कि इस्लाम के नाम पर बने पाकिस्तान का असली मकसद पूरा होने वाला है। उन्होंने ये बात रविवार को लाहौर में पाकिस्तानी अखबार द न्यूज इंटरनेशनल से कही। आसिम मुनीर यहां पूर्व पीएम शहबाज शरीफ के नाती जुनैद सफदर के वलीमा (रिसेप्शन) में शामिल होने आए थे। इसमें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नवाज शरीफ, मरियम नवाज, कई सीनियर नेता, मंत्री और सैन्य अधिकारी मौजूद थे। इस बातचीत में आसिम मुनीर ने कहा कि अल्लाह ने पाकिस्तान को एक ऐतिहासिक मौका दिया है, ताकि वो अपने बनने का मकसद हासिल कर सके और देश तेजी से उसी तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस्लाम के नाम पर बना था और आज उसे इस्लामिक देशों के बीच एक खास दर्जा हासिल है। अब इसकी अहमियत और ज्यादा बढ़ेगी।

मुनीर बोले- पाकिस्तान की हालात में बहुत सुधार हुआ: आसिम मुनीर ने दावा किया कि दुनिया में पाकिस्तान की स्थिति और उसकी आर्थिक हालत में काफी सुधार हुआ है। जब उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही पहचान को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि अगर उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोई सराहना मिल रही है, तो वह भी अल्लाह की मेहरबानी है।

उन्होंने कहा कि असल में यह पाकिस्तान को मिली पहचान है, किसी एक इंसान को नहीं। उनके इस बयान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से हुई मुलाकातों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ ने ट्रम्प को पाकिस्तान में दुर्लभ खनिजों और कच्चे तेल के रिसोर्स का भरोसा भी दिलाया, जिनकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है।

आसिम मुनीर लगातार कट्टरपंथी बयान देते रहे हैं: आसिम मुनीर ने अप्रैल 2025 में इस्लामाबाद में हुए ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन में कहा था कि टू नेशन थ्योरी ही पाकिस्तान की बुनियाद है। उन्होंने कहा था कि मुसलमानों और हिंदुओं के बीच बुनियादी फर्क है और दोनों एक नहीं, बल्कि अलग-अलग राष्ट्र हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की नींव कलमा पर टिकी है और इस सोच को आगे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना जरूरी है। आसिम मुनीर अपने भाषणों में इस्लामिक विचारधारा, टू नेशन थ्योरी और भारत के खिलाफ बयानबाजी पर जोर देते रहे हैं।

पुराने सेना प्रमुखों से बिल्कुल अलग माने जाते हैं मुनीर: आसिम मुनीर अपने पहले के सेना प्रमुखों से काफी अलग माने जाते हैं। पहले के ज्यादातर सेना प्रमुख पश्चिमी सैन्य संस्थानों में प्रशिक्षित पेशेवर सैनिक थे, जो धर्म और राजनीति से दूरी बनाए रखते थे। इसके उलट आसिम मुनीर हाफिज-ए-कुरान हैं और मजहब उनकी पब्लिक इमेज का अहम हिस्सा है। वह पाकिस्तान के ऐसे पहले अधिकारी हैं, जिन्होंने मिलिट्री इंटेलिजेंस और ISI दोनों की लीडरशिप की है। उनकी लीडरशिप में पाकिस्तानी सेना खुद को सिर्फ देश की रक्षा करने वाली ताकत नहीं, बल्कि इस्लाम की रक्षा करने वाली ताकत के रूप में भी पेश कर रही है। इसके लिए पुराने इस्लामिक और अरबी प्रतीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में सक्रिय विद्रोहियों को 'फितना अल-खवारिज' और 'फितना अल-हिंदुस्तान' जैसे नाम दिए जा रहे हैं और उन्हें गुमराह ताकतें और भारत का समर्थक बताया जा रहा है।

कुमाऊं में सूखे की मार, पर्वतीय जिलों में स्थिति गंभीर

नैनीताल। कुमाऊं मंडल के पर्वतीय क्षेत्रों में 100 दिन से अधिक समय से बारिश और बर्फबारी नहीं होने के कारण फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। फल पट्टी और रबी की फसलें सूखने के कगार पर हैं, जिससे किसानों की आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। कृषि विभाग ने चेतावनी दी है कि अगर अगले 15 दिनों में बारिश नहीं हुई तो 40% तक फसल बर्बाद हो सकती हैं। कुमाऊं मंडल के 6 जिलों में 207512 हेक्टेयर में रबी की फसल की बुवाई हुई है, जिसमें गेहूं, जौ, चना, मटर, मसूर और तिलहन शामिल हैं। प्रारंभिक सर्वेक्षणों से पता चला है कि पहले ही 15-20% तक फसल का नुकसान हो चुका है, खासकर वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों में। पर्वतीय जिलों में स्थिति गंभीर है, जहां सिंचाई के साधन सीमित हैं।

कृषि विभाग ने नुकसान का आकलन करने के लिए टीमों का गठन किया है और फसल बीमा योजना के तहत किसानों को मुआवजा देने की तैयारी कर रहा है। ऊधम सिंह नगर जिले में सिंचाई की सुविधा होने के कारण सूखे का असर कम है, लेकिन पर्वतीय क्षेत्रों में तत्काल बारिश की आवश्यकता है।

यूपी में परिवार के 4 लोगों की हत्याकर जान दी

एजेंसी, सहारनपुर

सहारनपुर में सरकारी अमीन ने पत्नी, दो बेटों और मां के माथे में गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद के सीने और माथे पर गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपनी बहन को एक मैसेज और ऑडियो क्लिप भेजी। इसमें उसने कहा- वह परिवार की हत्या कर चुका है। अब खुद भी जान देने जा रहा है। पति और पत्नी का शव चारपाई पर, जबकि मां और दोनों बच्चों के शव बेड पर पड़े थे। अमीन के पास तीन तमंचे पड़े मिले। वारदात का पता उस वक्त चला, जब बहनोई ने कई बार कॉल किया। फोन नहीं उठा तो उसने बेटे को घर भेजा। बेटे ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद खिड़की तोड़कर अंदर गया, जहां सभी के शव पड़े मिले। सूचना पर डीएम मनीष

पत्नी, दो बेटे और मां के माथे पर गोली मारी, अमीन ने खुद पर 2 फायर किए

बंसल और SSP आशीष तिवारी मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों से पूछताछ में पता चला कि सिंचाई विभाग में तैनात अमीन अशोक डिप्रेशन में था। चंडीगढ़ में उसका इलाज चल रहा था। SSP का कहना है कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि अमीन ने पहले परिवार के लोगों को गोली मारी और फिर खुद को गोली मार ली।

नॉर्वे के पीएम बोले- नोबेल सरकार नहीं, कमेटी देती है, ट्रम्प की शिकायत पर जवाब दिया

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोर ने सोमवार को ट्रम्प का लेटर मिलने की पुष्टि की। इसके बाद बयान जारी कर उन्होंने साफ किया कि नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वे सरकार नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नोबेल कमेटी देती है। सरकार का इसमें कोई रोल नहीं है। दरअसल, ट्रम्प ने गाहर स्टोर को नोबेल नहीं मिलने को लेकर एक शिकायती चिट्ठी लिखी थी। इसमें उन्होंने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की बात कही थी। ट्रम्प ने सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वो अब नोबेल के बारे में नहीं सोचते। ट्रम्प ने कहा कि शांति जरूरी है, लेकिन अब वह यह भी सोचेंगे कि अमेरिका के हित में क्या सही है। ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की उनकी कोशिश की एक वजह नोबेल शांति पुरस्कार न मिलना भी है। इसकी वजह से उनके फैसले पर भी असर पड़ रहा है।

ट्रम्प बोले- मुझे नॉर्वे से फर्क नहीं पड़ता है, मैंने 8 जंग रुकवाए: ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि अगर किसी को लगता है कि नॉर्वे नोबेल

प्राइज को कंट्रोल नहीं करता है, तो यह मजाक है। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि नॉर्वे क्या कहा रहा है। मैं बस लोगों की जिंदगी बचाने के बारे में सोचता हूं। मुझे लगता है मैंने लाखों लोगों की जान बचाई है। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच मई में संघर्ष को सुलझाने के दावे को दोहराते हुए कहा, 'आप भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को देख सकते हैं, जब दो न्यूक्लियर पावर लड़ रहे थे। मैंने अब तक 8 जंग को रुकवाया है और शायद जल्द यह संख्या 9 हो जाएगी।'

ट्रम्प ने कहा- अब प्राइज नहीं देश का फायदा सोच रहा

वहीं गाहर स्टोर ने ग्रीनलैंड पर ट्रम्प के दावे को लेकर कहा कि यह डेनमार्क के राज्य का हिस्सा है और नॉर्वे डेनमार्क का पूरा समर्थन करता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि नाटो को आर्कटिक क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता मजबूत करने के लिए जिम्मेदारी से कदम उठाने चाहिए। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प ने कहा कि डेनमार्क इसकी रक्षा नहीं कर सकता। हम इसके बारे में काफी लोगों से बात कर रहे हैं। ग्रीनलैंड हमारे लिए काफी जरूरी है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए बताया कि उन्होंने नाटो के महासचिव मार्क रुट से ग्रीनलैंड को लेकर बातचीत की है। उन्होंने बताया कि मैंने स्विट्जरलैंड के दावोस में विभिन्न पक्षों की बैठक के लिए सहमति दी है। मैंने सभी को बताया, ग्रीनलैंड राष्ट्रीय और विश्व सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। अब पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं है, इस बात से सभी सहमत हैं।

किम जोंग ने मंच से डिप्टी पीएम को बर्खास्त किया, कहा- बैल गाड़ी खींच सकती है, बकरी नहीं

एजेंसी, प्योंगयांग

तुम्हें जिम्मेदारी देना मेरी गलती थी

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने डिप्टी पीएम यांग सुंग-हो को बर्खास्त कर दिया है। कोरियाई न्यूज एजेंसी KCNA के मुताबिक किम जोंग उन योंगसोंग मशीन कॉम्प्लेक्स में सोमवार को इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट के पहले चरण के उद्घाटन के लिए पहुंचे थे। किम ने अपने संबोधन के दौरान यांग सोंग-हो को हटाने का आदेश दिया। किम ने डिप्टी पीएम को फटकार भी लगाई। किम ने मंच से ही डिप्टी पीएम से कहा, "बहुत देर होने से पहले, अपने पैरों पर खुद यहां से चले जाओ।" किम ने कहा कि यांग बड़ी जिम्मेदारियां संभालने के लायक नहीं हैं। किम ने कहा, "एक बकरी गाड़ी नहीं खींच सकती। यह हमारे कैडर अपॉइंटमेंट सिस्टम में हुई एक गलती थी। आखिरकार, गाड़ी बैल खींचता है, बकरी नहीं।"

किम जोंग बोले- कई मौके दिए मगर सुधार नहीं हुआ: किम जोंग उन ने कहा कि उन्होंने यांग को योंगसोंग मशीन कॉम्प्लेक्स के पहले चरण के आधुनिकीकरण में हुई गंभीर गलतियों को सुधारने के लिए कई बार मौका दिया था। इसके बावजूद काम में कोई सुधार नहीं हुआ। किम ने यह भी स्पष्ट किया कि यांग को पद से हटाना जरूरी था, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें "पार्टी-विरोधी" माना जाए।किम के मुताबिक, यांग ने पार्टी की केंद्रीय समिति को ऐसे सुझाव दिए जो न तो व्यावहारिक थे और न ही सच्चाई पर आधारित थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यांग ने अपने फायदे के लिए पार्टी को गुमराह करने की कोशिश की, यहां तक कि पिछले महीने हुई पार्टी की अहम बैठक में भी। उन्होंने बताया कि इन सबके बावजूद उन्होंने यांग को एक और मौका दिया। लेकिन बाद में साफ हो गया कि उनमें जिम्मेदारी की भावना बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा,"यह व्यक्ति शुरू से ऐसा ही रहा है और इसे किसी भी बड़ी जिम्मेदारी के लायक नहीं माना जा सकता।"

हरियाणा में कश्मीरियों को जय श्रीराम बोलने के लिए धमकाया

एजेंसी, यमुनानगर

हरियाणा के यमुनानगर में दो कश्मीरी युवकों के साथ बदसलूकी और जबरन धार्मिक नारे लगवाने का मामला सामने आया है। कुछ स्थानीय युवकों ने कश्मीरी युवकों पर दबाव बनाते हुए उन्हें पाकिस्तानी बताया और उनसे जय श्री राम और भारत माता की जय जैसे नारे लगवाने की कोशिश की। इस दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक युवक वीडियो बनाते हुए कश्मीरी युवकों को धमकाता नजर आ रहा है। वीडियो में आरोपी युवक कहता सुनाई दे रहा है- अब यहां दिखाई नहीं देना, नहीं तो और युवकों को बुलाकर कपड़े भी छीन लेंगे। युवक यह भी कहता है कि हिंदुस्तान में रहकर हिंदुस्तान के नहीं हो सकते तो तुम्हारे कपड़े छिनेंगे ही।

घटना की सूचना फैलते ही आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए, जिससे कुछ देर के लिए हंगामे जैसी स्थिति बन गई। हालांकि गांव के कुछ जिम्मेदार लोगों ने बीचबचाव कर मामला शांत कराया, जिसके बाद दोनों युवक वहां से दूसरे गांव की ओर चले गए। पिछले 25 दिन में यह तीसरा मामला है, जिसमें कश्मीरी युवकों के साथ इस तरह की घटना हुई है। जानकारी के अनुसार कश्मीरी युवक नजीर अहमद ख्वाजा और इम्तियाज अहमद लोन सोमवार को गांव-गांव घूमकर शॉल और चादरें बेचने का कार्य कर रहे थे।

तमिलनाडु गवर्नर का बिना स्पीच दिए विधानसभा से वॉकआउट

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा सत्र के दौरान मंगलवार को सदन में फिर हाईलेवल ड्रामा हुआ। राज्यपाल आरएन रवि एक बार फिर राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाते हुए स्पीच दिए बिना ही असेंबली से बाहर चले गए। पिछले सालों की तरह गवर्नर ने कहा कि तमिल गान के बाद राष्ट्रगान बजाया जाए। लेकिन स्पीकर अप्पावु ने इसके लिए मना कर दिया। इसके बाद गवर्नर रवि शुरुआती भाषण पढ़े बिना ही विधानसभा से बाहर चले गए। इससे पहले 2024-25 में भी वे ऐसा कर चुके हैं। राज्यपाल ने आरोप लगाया कि उनके भाषण में रुकावट डाली गई। उन्होंने कहा कि मैं निराश हूं। राष्ट्रगान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। गवर्नर के वॉकआउट के बाद विपक्षी AIADMK के नेता भी असेंबली से बाहर चले गए और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं तमिलनाडु CM ने इसे असेंबली का अपमान बताया है।

कहा- राष्ट्रगान का फिर अपमान हुआ सीएम स्टालिन बोले- ये असेंबली की बेइज्जती

लोक भवन बोला- गवर्नर का माइक बंद किया: राज्यपाल के असेंबली से बाहर जाने के बाद लोक भवन ने प्रेस रिलीज जारी की। रिलीज में कहा गया कि एक बार फिर राष्ट्रगान का अपमान किया गया। गवर्नर का माइक बार-बार बंद किया गया। उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

ट्रम्प की फ्रांसीसी शराब पर 200% टैरिफ लगाने की धमकी

मैक्रों का प्राइवेट मैसेज लीक किया, उन्होंने गाजा पर साथ देने से इनकार किया था

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने फ्रांस के वाइन और शैम्पेन पर 200% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। उन्होंने सोमवार को यह चेतावनी फ्रांस के गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने से इनकार करने के विरोध में दी। ट्रम्प ने नाराजगी जताते हुए कहा कि हम फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों को शामिल भी नहीं करना चाहते, क्योंकि बहुत जल्द उनकी कुर्सी छिनने वाली है। उन्होंने कहा- अगर मुझे लगा तो मैं फ्रांसीसी वाइन और शैम्पेन पर 200% टैरिफ लगाऊंगा, फिर मैक्रों खुद पीस बोर्ड में शामिल हो जाएंगे। दरअसल ट्रम्प ने गाजा के प्रशासन को चलाने और उसे फिर

से बसाने के लिए नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा (NCAG) के गठन का ऐलान किया है। ट्रम्प ने इस कमेटी में शामिल होने के लिए 60 देशों को न्योता भेजा है। ट्रम्प ने मैक्रों के एक प्राइवेट मैसेज का स्क्रीनशॉट भी सोशल मीडिया पर मंगलवार को लीक कर दिया है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने ट्रम्प को G7 बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया: ट्रम्प ने जो मैसेज शेयर किया उसमें इमेनुअल मैक्रों ने कहा था सीरिया के मुद्दे पर हम पूरी तरह आपसे सहमत हैं। ईरान के मामले में हम काफी कुछ कर सकते हैं, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप ग्रीनलैंड में क्या कर रहे हैं। एक मत तक पहुंचने के लिए मैक्रों ने एक औपचारिक बैठक का प्रस्ताव रखा। मैक्रों ने कहा, 'मैं पेरिस में G7 की बैठक बुला सकता हूं। मैं यूक्रेन, डेनमार्क, सीरिया और रूस को भी इसमें आमंत्रित कर सकता हूं।' मैक्रों ने अमेरिका लौटने से पहले ट्रम्प को साथ में डिनर करने का भी न्योता दिया।

भारत की सड़कें,प्रशासनिक लापरवाही और जवाबदेही का संकटः-विकसित भारत 2047 के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» भारत में सड़कों पर गड्ढों, खुले मैनहोल, निर्माण सामग्री के बेतरतीब ढेर,अधूरे अंडर- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स और प्रशासनिक उदासीनता के कारण हर वर्ष हजारों लोग जान गंवा रहे हैं या स्थायी रूप से अपंग हो रहे हैं

» क्या अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही की सज़ा केवल जांच और मुआवजे तक सीमित रहेगी?-आंखों पर परसेंट का कवर कब उतरेगा?-आम जनता अब समझते जा रही है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत आज स्वयं को 21वीं सदी की उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे, शासन क्षमता, नागरिक सुरक्षा और जीवन गुणवत्ता में आमूलचूल परिवर्तन का वादा है।लेकिन इसी भारत में सड़कों पर गड्ढों, खुले मैनहोल, निर्माण सामग्री के बेतरतीब ढेर,अधूरे अंडर- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स और प्रशासनिक उदासीनता के कारण हर वर्ष हजारों लोग जान गंवा रहे हैं या स्थायी रूप से अपंग हो रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं क्रि यह विडंबना नहीं,बल्कि एक संरचनात्मक विफ़लता है, इसमें माननीय नेताओं की समय समय पर विपक्ष पर की जा रही टांटिंग बाज़ी 10 से 50 प्रतिशत वाला मामला अधिकारियों कर्मचारियों संबंधित लाइसेंसिंग अथारिटी द्वारा आंख मूंद कर बैठना आंखों पर परसेंट का कवर चढ़ा देना अब आम जनता आप समझते जा रही है जो, भारत की विकास यात्रा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।नोएडा में 27 वर्षीय इंजीनियर युवराज मेहता की गड्ढे में गाड़ी फंसने से हुई दर्दनाक मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया।सोशल मीडिया पर यह मामला ट्रेंड कर रहा है, क्योंकि यह किसी प्राकृतिक आपदा का नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही का परिणाम था। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या टैक्स देने वाले नागरिकों की जान की कोई कीमत नहीं है?क्या अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही की सज़ा केवल जांच और मुआवजे तक सीमित रहेगी?यह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की विफलता का प्रतीक बन गई।अभी दो दिवस पूर्व हमारे गोंदिया राइस सिटी में भी रोड़ों पर हुए गड्ढों से परेशान लोगों ने भीख मांगो एक रैली निकाली जिसमें आम जनता से पैसे लेकर नगर परिषद को देने की बात कही गई ताकि वह गड्ढों को बुझा सके छत्तीसगढ़ की भाटापारासिटी में भी हमारे रिश्तेदार रोड पर पड़े गड्ढे के कारण एक्टिवा से गिर पड़े और करीब एक माह तक अस्पताल में भर्ती रहे बड़ी मुश्किल से बहुत महंगा ट्रीटमेंट करने के बाद उनकी जान बची। साथियों बात अगर हम भारत में सड़कों की खराब स्थिति एक संरचनात्मक संकट इसको समझने की करें तो भारत का सड़क नेटवर्क विश्व में दूसरा सबसे बड़ा है, जिसकी लंबाई 63 लाख किलोमीटर से अधिक है। इसके बावजूद सड़क सुरक्षा, गुणवत्ता और रखरखाव के मामले में भारत वैश्विक सूचकांकों में बेहद नीचे है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में भारत लगातार विश्व में शीर्ष पर बना हुआ है।इनमें एक बड़ा कारण सड़कों की जर्जर स्थिति,गड्ढे,असमान सतह जलभराव और अवैज्ञानिक डिजाइन है।ग्रामीण भारत में स्थिति और भी भयावह है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कें या तो जर्जर हैं या समय पर मरम्मत के अभाव में जानलेवा बन चुकी हैं। बरसात के मौसम में गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। पुरानी शहरी सड़कों पर नई पाइपलाइन, केबल और सीवेज के लिए की गई खुदाई महीनों तक खुली रहती है, और मरम्मत केवल कागज़ों में सटीक रूप से पूरी होती है। साथियों बात अगर हम निर्माण मलबा और अंडर- कंस्ट्रक्शन अव्यवस्था कुछ समझने की करें तो,भारत के शहरों में अंडर- कंस्ट्रक्शन मकानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का मलबा सड़कों पर पड़ा रहना आम बात हो गई है। नियमों के अनुसार निर्माण स्थल को सुरक्षित करना,चेतावनी संकेत लगाना और मलबा हटाना अनिवार्य है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर इन नियमों का खुलेआम उल्लंघन होता है। स्थानीय नगर निकाय, पुलिस और विकास प्राधिकरण एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर चुप्पी साध लेते हैं।आंखें और मुंह बंद व्यवस्था सड़क दुर्घटनाओं के बाद अक्सर देखा जाता है कि प्रशासनिक मशीनरी सक्रिय होने में घंटों लगा देती है। एम्बुलेंस की देरी, ट्रैफिक पुलिस की अनुपस्थिति,और अस्पतालों में इलाज में लापरवाही कई बार मौत को निश्चित बना देती है। यह केवल व्यक्तिगत असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि एक संस्थागत संस्कृति का परिणाम है, जहां जवाबदेही का अभाव है।निर्माण कार्यों की अनुमति देने वाले विभागों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है,लेकिन यही विभाग अक्सर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हैं। सड़क खुदाई की अनुमति देने के बाद उसकी निगरानी नहीं होती कि गड्ढा समय पर भरा गया या नहीं, चेतावनी बोर्ड लगाए गए या नहीं। यह लापरवाही दुर्घटनाओं की श्रृंखला को जन्म देती है, जिसे लेखकीय रूप से प्रशासनिक लापरवाही का साइकिल कहा जा सकता है। साथियों बात अगर हम विकसित भारत 2047 बनाम सड़क सुरक्षा की हकीकत इसको समझने की करें तो यह विकसित भारत 2047 की परिकल्पना में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर एक केंद्रीय स्तंभ है। सरकार ने भारतमाला, गतिक शक्ति, स्मार्ट सिटी मिशन और अमृत योजना जैसी कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू की हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल नई सड़कों और एक्सप्रेसवे का निर्माण ही विकास है, या मौजूदा सड़कों की सुरक्षा और रखरखाव भी उतना ही आवश्यक है?सरकार ने हाल के वर्षों में पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ सड़क निर्माण के लिए बायो-बिटुमेन जैसी तकनीकों को बढ़ावा दिया है, जिसमें कृषि अपशिष्ट और जैविक सामग्री का उपयोग होता है। यह तकनीक सड़कों की उम्र बढ़ाने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और लागत घटाने में सहायक मानी जा रही है। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ गुणवत्ता नियंत्रण, पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। साथियों बात अगर हम कई मामलों में न्यायपालिकाओं की सख्त टिप्पणीयाँ विशेष रूप सेः बॉम्बे हाईकोर्ट का हस्तक्षेप रेखांकित करने वाली बात है, बॉम्बे हाईकोर्ट सहित कई न्यायालयों ने बार-बार नगर निकायों और राज्य सरकारों की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। अदालतों का स्पष्ट मत है कि गड्ढों और खुले मैनहोल से होने वाली मौतें दुर्घटना नहीं,बल्कि मानव निर्मित आपराधिक लापरवाही हैं।अदालत ने कहा कि जब तक अधिकारियों और ठेकेदारों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक स्थिति में कोई सुधार नहीं होगा। केवल मुआवजा देना पर्याप्त नहीं है;दोषियों क्रे खिलाफ आपराधिक कार्रवाई आवश्यक है। पीआईएल नंबर 71/2013,एक ऐतिहासिक मामला हैं।13 अक्टूबर 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट की दो सदस्य बेंच न्यायमूर्ति की खंडपीठ ने पीआईएल नंबर 71/2013 पर आदेश सुनाया था। यह जनहित याचिका 2013 में तत्कालीन न्यायमूर्ति के एक पत्र के आधारपर स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) लेकर दर्ज की गई थी।यह मामला इस बात का उदाहरण है कि समस्या कितनी पुरानी और गंभीर है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वर्षों की सुनवाई और निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है, जो प्रशासन की उदासीनता क्रो स्पष्ट रूप से दर्शाता है। साथियों बात अगर हम इस भारतीय रोडो परगड्डों की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य,में भारत की तुलना और सीख़ क्रो समझने की करेंतो विकसित देशों में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर भारत की तुलना में कहीं कम है। इसका कारण बेहतर डिजाइन,नियमित रखरखाव, सख्त जवाबदेही और त्वरित आपातकालीन सेवाएं हैं। भारत यदि वैश्विक शक्ति बनना चाहता है, तो उसे केवलआर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा के मानकों में भी वैश्विक स्तर अपनाने होंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि जवाबदेही क्रि भारत की सड़कें केवल यातायात का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य की शासन क्षमता और संवेदनशीलता का आईना हैं। युवराज मेहता जैसी मौतें हमें यह याद दिलाती हैं कि विकास के दावों के बीच नागरिकों की जान सबसे बड़ा सवाल है। विकसित भारत 2047 तभी संभव है, जब सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए, प्रशासनिक लापरवाही पर कठोर कार्रवाई हो, और न्यायपालिका के निर्देशों को केवल कागज़ों में नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर लागू किया जाए। सड़क पर हर गड्ढा, हर खुला मैनहोल और हर अधूरा निर्माण कार्य एक संभावित मौत है। सवाल यह नहीं कि अगली दुर्घटना कब होगी, सवाल यह है कि क्या हम उससे पहले जागेंगे?

-संकलनकर्ता लेखक-
क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक "खेला होगा" के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी। एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए। भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है। महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है।

सोचता हूं अपना मकान बेचकर किराए में शिफ्ट हो जाऊं ....

लेखक- चैतन्य भट्ट

इस वक्त पूरी दुनिया में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आतंक चल रहा है, कब किस पर हमला कर दे किस पर पांच सौ गुना टैरिफ लगा दे ये भगवान भी नहीं जानता, सुना है आजकल रात में सोता भी नहीं है रात भर बस इसी गुनतारे में लगा रहता है कि कल किस देश पर अपना आधिपत्य जमाना है उसका सारा स्टाफ पूरे संसार के देशों की लिस्ट लिए बैठा रहता है और वो जिस देश पर उंगली रख देता है उस पर कब्जा जमाने की कार्यवाही शुरू हो जाती है। कहते हैं बुढ़ापे में इंद्रियां शिथिल हो जाती है पर लगता है डोनाल्ड ट्रंप की तमाम इंद्रियां किसी जवान से भी ज्यादा एक्टिव हो गई है, उसका मानना है कि पूरे ब्रह्मांड में सिर्फ उसका ही राज होना चाहिए या तो सरेंडर कर दो या फिर उसके हथियारों का मुकाबला करो, अब देखो ना अभी तक ईरान को बत्ती दे रहा था अब डेनमार्क के ग्रीनलैंड को भी अमेरिका का हिस्सा बता कर वहां कब्जा करना चाहता है। रोज नई-नई बातें बताता है । संसार के तमाम छोटे-मोटे देश सुबह से रात तक यही सोचते रहते हैं कि पता नहीं उनका नंबर कब आ जाए, कब डोनाल्ड उनके देश के नाम पर उंगली रख दे । मान लिया भैया कि तुम सबसे पावरफुल हो, सबसे अमीर हो लेकिन इसका मतलब ये तो नहीं कि जिस चाहे पर अड़ी पटक दो, हर देश का अपना अपना महत्व है उसे भी जीने का अधिकार है उसके नागरिकों को भी अपने देश से उतना ही प्यार है जितना तुमको अमेरिका से है, लेकिन तुम्हें तो पता नहीं कौन सा जुनून सवार हो गया है कि सब तरफ मेरा ही राज होना चाहिए जैसे पुराने जमाने में अश्वमेध यज्ञ हुआ करता था जिसमें एक राजा का घोड़ा दूसरे राजा के इलाके में जाता था और उस राज्य का राजा या तो अपने आप को सरेंडर कर देता था या फिर जिस राजा का घोड़ा होता था उससे युद्ध करता था लेकिन जो राजा अपना घोड़ा छोड़ता था वो बड़ा दमदार होता था इसलिए अधिकतर राजा उसकी अधीनता स्वीकार कर लेते थे। डोनाल्ड ट्रंप भी अश्वमेध यज्ञ टाइप का कोई काम कर रहा है लेकिन वो घोड़ा नहीं छोड़ता बल्कि मिसाइल छोड़ता है अब जो मिसाइल को देखकर डर जाए आत्मसमर्पण कर दे तो ठीक है वरना कौन सा मिसाइल कहां पहुंच जाएं क्या क्या नष्ट कर दे यह सिर्फ डोनाल्ड ट्रंप ही जानता है। डोनाल्ड ट्रंप की इन हरकतों को देखकर अब अपन भी ये सोच रहे हैं कि अपना खुद का मकान बेच दें और कहीं किराएदार के रूप में शिफ्ट हो जाए क्या पता कल के दिन उसके दिमाग में ये विचार आ जाए कि इस बार भट्ट जी के मकान पर कब्जा करना है अब उससे लड़ना तो आसान है नहीं, इसलिए बेहतर है कि मकान बेच के कहीं किराए से ले ले अगर उस पर भी कब्जा करने की कोशिश करेगा तो दूसरा किराए का ढूंढ लेंगे अब बस यही विकल्प बचा है इससे बचने का ।

अब रिटायर हो भैया- सुना है भोपाल में आईपीएस अधिकारियों की मीट हुई, हर बरस दो दिन के लिए मीट होती है जिसमें तमाम आईपीएस अधिकारी और उनकी पत्नियां शामिल होती है तरह-तरह के आयोजन होते हैं कोई गाता है, कोई नाचता है, कोई दौड़ता है, कोई भागता है कुल मिलाकर साल भर की जो टेंशन है वो इन दो दिनों में कम करने की कोशिश की जाती है अभी तक तो ये होता था कि जो आईपीएस अफसर रिटायर हो गए हैं उनको भी आईपीएस मीट में बुलाया जाता था लेकिन पता चला है कि इस बार रिटायर आईपीएस अधिकारियों को इस मीट में कोई निमंत्रण नहीं दिया गया। बेचारे रिटायर आईपीएस अधिकारी बड़े दुखी हैं कि यार क्या जलवा हुआ करता था जब नौकरी में रहते थे लेकिन रिटायर जब से हुए हैं ना तो कोई अर्दली है, ना तो कोई सरकारी गाड़ी, ना कोई पूछने वाला, और तो और आईपीएस अफसर की मीट तक में नहीं बुलाया जा रहा ,अब इनको कौन समझाए कि हुजूर सारा भपका और जलवा इंसान का नहीं कुर्सी का होता है जिस कुर्सी पर वह बैठता है ,और उस कुर्सी का कितना महत्व है उसी के हिसाब से उसे सम्मान दिया जाता है बहुत जलवा खींच लिया पिछले तीस बत्तीस सालों में, अब रिटायर हुए हो तो फिर ये मान कर चलो कि जैसे दूध में से मक्खी ने फेंक दी जाती है वैसे ही हर डिपार्टमेंट के रिटायर हो गए लोगों को डिपार्टमेंट मक्खी की तरह बाहर कर देता है इसमें रंज करने की कोई जरूरत नहीं है आईपीएस अफसर मीट का बदला लेने के लिए अपनी एक सलाह है कि आप लोग भी सब मिलजुल के एक रिटायर आईपीएस अफसरों की मीट आयोजित कर दो जिसमें आप भी वही सब कुछ करो जो वर्तमान आईपीएस अफसरों की मीट में हुआ था आप भी नाचो गाओ, दौड़ो भागो, और बताओ कि भले ही तुमने ना बुलाया हो लेकिन हमारे पास भी रिटायर लोगों की अच्छी खासी फौज है और हम भी वो सब कर सकते हैं जो तुम कुर्सी पर बैठकर कर रहे हो लेकिन हम कुर्सी से उतरकर भी कर सकते हैं

पतझड़ का प्यार- कहते हैं मोहब्बत का नशा जीवन में कभी नहीं उतरता । शराब का नशा तो अगर रात में पिए तो सुबह तक उतर जाता है लेकिन अगर किसी से इश्क हो गया है तो फिर उसका नशा जिंदगी भर बना ही रहता है, ऐसा ही एक मसला केरल के जयप्रकाश और रश्मि की कहानी का है। पता लगा है कि दोनों अपनी जवानी में एक दूसरे से मोहब्बत करते थे, साथ जीने मरने की कसम भी खाया करते थे एक दूसरे के सीने से लगकर धड़कनें भी गिना करते थे लेकिन अचानक पता नहीं क्या हुआ किसी कारणवश रश्मि की शादी और किसी के साथ हो गई और जयप्रकाश की किसी और के साथ। प्यार अधूरा रह गया लेकिन प्यार की कसक बनी रही, ऊपर वाले को भी लगा कि ये तो बड़ा गलत हो गया दोनों की मोहब्बत जवान थी लेकिन उनका मिलन नहीं हो पाया । बरसों बीत गए जयप्रकाश की पत्नी गुजर गई और रश्मि के पतिदेव। दोनों अपने बाल बच्चों के साथ जीवन बिता रहे थे लेकिन ऊपर वाले का भी रहम देखो अचानक दोनों का एक दिन आमना-सामना हो गया देखते ही देखते तमाम पुराने दिनों की यादों में वे दोनों खो गए और दोनों ने तय किया के भले ही जवानी में हमारा इश्क अधूरा रह गया लेकिन अब उसे अधूरे इश्क को हम पूरा करेंगे। दोनों ने अपने संतानों से बात की बेटे बेटियों ने भी हंसी-खुशी दोनों को शादी करने की परमिशन भी दे दी और बेहतरीन दोनों की शादी भी हो गई इसको कहते हैं पतझड़ का प्यार

सुपर हिट ऑफ द वीक

ये कौन सा कानून है कि खाना मैं ही बनाऊं? श्रीमती जी ने गुस्से से श्रीमान जी से कहा

पूरी दुनिया का कानून है, कि कैदी को खाना सरकार ही देती है श्रीमान जी का उत्तर था।

भारत को तोड़ना होगा कॉफी क्लब का चक्रव्यूह

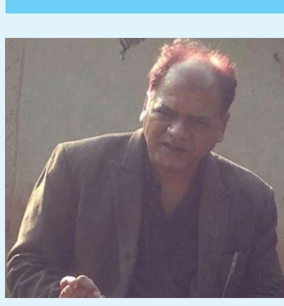

राजेश पाठक

संयुक्त राष्ट्रसंघ के सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थाई सदस्यता को लेकर रह-रहकर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाजें उठती आई हैं। वैसे भी 24अक्टूबर 1945 को जब संयुक्त राष्ट्रसंघ का गठन हुआ था उस वक्त मात्र 51 देश ही इसके सदस्य थे।अब बढ़कर 193 हो गये जो विभिन्न विचारों व संस्कृतियों के वाहक हैं।अब समस्याओं के स्वरुप में भी आमूल-चूल परिवर्तन व बदलाव होने लगे हैं। जलवायु परिवर्तन, समावेशी विकास, आतंकवाद, भूख, डिजिटल तकनीकों का अंतरराष्ट्रीय वितरण आदि जैसे मुद्दे अब ज्यादा ज्वलंत हो गये हैं।इस बदलती परिस्थितियों में सुरक्षा परिषद् को अधिक लोकतांत्रिक बनाने एवं उसकी संरचनाओं तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया में तात्विक बदलाव लाना प्रासंगिक हो गया है। परिषद् में स्थाई सदस्यता को लेकर गठित जी 4 (भारत, ब्राजील, जर्मनी, जापान) संगठन यद्यपि पुरजोर तरीके से संयुक्त राष्ट्रसंघ आम सभा की विभिन्न औपचारिक व अनौपचारिक बैठकों में उक्त संबंध में अपने दावे को प्रस्तुत करते आया है तथापि स्थाई सदस्यता के मार्ग में अनेक बाधक तत्व उभर आए हैं। सुरक्षा परिषद् का लोकतंत्रीकरण के मार्ग में सबसे बड़ा रोड़ा है-कॉफी क्लब -(युनाईटिंग फॉर कॉसेंसस)।

क्या है कॉफी क्लब? कॉफी क्लब (1995)एक अनौपचारिक संगठन है जिसे इटली ने अपने राजदूत फ्रांसिस्को पाउलो फुलकी के प्रयास से पाकिस्तान, मैक्सिको व इजिप्ट के साथ मिलकर बना रखा है।यह संगठन सुरक्षा परिषद् के स्थाई सदस्यों के संबंध में यथास्थिति का पक्षधर है एवं इसमें किसी भी बदलाव का घोर विरोधी है। भले ही वह सुरक्षा परिषद् के अस्थाई सदस्यों की संख्या व कार्यकाल में वृद्धि का हिमायती रहा हो।आज स्पेन, अर्जेंटीना,टर्की, कनाडा जैसे लगभग 50 देश इस क्लब से जुड़ कर जी4 देशों के सुरक्षा परिषद् में स्थाई सदस्यता की दावेदारी पर ग्रहण लगाने को आमादा हैं। ज्ञात हो कि सुरक्षा परिषद् के स्थाई सदस्यों में शामिल होने के लिए संबंधित प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्रसंघ आम सभा के कुल सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से पारित होने के बाद ही प्रस्ताव सुरक्षा परिषद् में अंतिम मुहर हेतु भेजा जाता है जिसमें पांच स्थाई सदस्यों की सर्वसम्मति भी चाहिए होती है। कॉफी क्लब के सदस्यों के बीच परस्पर निर्भरता व तालमेल के कारण जी4 देशों के लिए आम सभा में भी आवश्यक बहुमत जुटा पाना लोहे का चना चबाने जैसा ही है। और तो और इस क्लब को बढ़ावा देने में चीन सबसे आगे है।वह चाहता है कि स्थाई सदस्यों के रूप में नये राष्ट्रों के प्रवेश पर सर्वसम्मति के सिद्धांत का अनुकरण किया जाय। अमरीका का इस संदर्भ में कोई भी स्पष्ट रूख नहीं है। रूस को भी उस सीमा तक ही सुधार मंजूर है जिस सीमा तक उसका विशेषाधिकार अक्षुण्ण रहे। कुल मिलाकर यह तथ्य सामने आ चुका है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ का पुनर्गठन व इसे और भी लोकतंत्रिक बनाकर ही प्रासंगिक रखा जा सकता है।भारत के साथ -साथ ब्राजील, जापान, जर्मनी जैसे देशों को नजरंदाज करने का वक्त जा चुका है। भारत को ही लें तो आज यह अधिसंरचनात्मक दृष्टि से सक्षम है। विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार व सबसे बड़ा लोकतंत्र है। कृषि उपज में भी अग्रणी है। विश्व की चौथी सैन्य ताकत के साथ -साथ घोषित व स्वीकृत परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र भी है।और तो और पिछले दिनों भारत को जी 20 समूह की अध्यक्षता का भी दायित्व सौंपा गया है जो इसके विश्व स्तर पर प्रभावशाली होने के तथ्य व सत्य को संपुष्ट करता है। कोविड संक्रमण के दौरान भी इसने जिस तरह, विश्व समुदाय के लिए, इसके प्रभावी रोकथाम के प्रयत्न किए वे जग जाहिर हैं। अतः सुरक्षा परिषद् को लोकतांत्रिक व समावेशी बनाने के मार्ग में अनौपचारिक संगठनों द्वारा उत्पन्न की जा रही बाधाओं के प्रति संयुक्त राष्ट्रसंघ को गंभीर होने की जरूरत है।इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि चाहे तो संयुक्त राष्ट्रसंघ जिस तरह नये राष्ट्रों के प्रवेश हेतु मानदंड तय कर रखे हैं उसी तरह सुरक्षा परिषद् की स्थाई सदस्यता हेतु भी राष्ट्रों के लिए कुछ मानक व इंडीकेटर तय कर दे जिस पर खड़ा उतरने वाले सदस्य राष्ट्र को इस परिषद् में स्थाई प्रवेश मिल सके। इसके लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ के चार्टर के कुछेक अंशों में यथोचित संशोधन का प्रस्ताव लाया ही जाना चाहिए। ऐसा कुछ करके ही हम संयुक्त राष्ट्रसंघ पर से उसके अभिजनवादी होने के दाग को भी धो सकेंगे साथ ही सुरक्षा परिषद् के लोकतंत्रीकरण से विश्व समुदाय के विश्वास को भी अर्जित किया जा सकेगा।

(लेखक झारखंड सरकार के योजना एवं विकास विभाग में सांख्यिकी अधिकारी हैं)

आज टी-20 मैच में सूर्यकुमार पर रहेगी निगाहें, 25 रन बनाते ही नाम होगा ये रिकॉर्ड

नागपुर (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का आगाज 21 जनवरी से नागपुर में होने जा रहा है। यह सीरीज सिर्फ टीम इंडिया के संयोजन के लिहाज से नहीं, बल्कि कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए भी बेहद अहम मानी जा रही है। लंबे समय से टी20 फॉर्मेट में रन बनाने के लिए जूझ रहे सूर्यकुमार के सामने खुद को साबित करने का सुनहरा मौका होगा। फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट्स इस बात पर नजर रखे हुए हैं कि क्या 'मिस्टर 360 डिग्री' एक बड़ी पारी के साथ वापसी कर पाएंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में सूर्यकुमार यादव एक बड़े व्यक्तिगत मुकाम को छू सकते हैं। वह टी20 क्रिकेट में 9000 रन पूरे करने से महज 25 रन दूर हैं। ऐसा करने पर वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। उनसे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा और शिखर धवन यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। पिछले एक साल में सूर्यकुमार यादव का टी20 प्रदर्शन उनकी प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं रहा है। विस्फोटक बल्लेबाज के तौर पर पहचान बनाने वाले सूर्या लगातार अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे हैं। कई क्रिकेट जानकारों का मानना है कि अगर वह टीम के कप्तान नहीं होते, तो टी20 वर्ल्ड कप की संभावित योजनाओं में उनका नाम संदिग्ध हो सकता था। हालांकि टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने उन पर भरोसा जताया है।

3 साल से कोर्ट से दूर साइना नेहवाल का संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया कि घुटने के दर्द के कारण अब उनके लिए खेलना संभव नहीं रह गया है। साइना आखिरी बार जून 2023 में सिंगापुर ओपन में खेली थीं।35 वर्ष की साइना ने एक पॉडकास्ट में कहा, मैंने दो साल पहले ही खेलना बंद कर दिया था। मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही छोड़ा। इसलिए मुझे घोषणा जरूरी नहीं लगी। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 साइना ने लंदन ओलिंपिक-2012 में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। वे ओलिंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने 3 ओलिंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। साइना ने 2008 में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतकर पहली बार सुर्खियां बटोरी थीं। वे 2009 में बीडब्ल्यूएफ सुपर सीरीज प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। इसके बाद 2010 और 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीते।साइना के मुताबिक उनके घुटनों का कार्टिलेज पूरी तरह घिस चुका है और उन्हें आर्थराइटिस हो गया है। उन्होंने कहा, जब आप खेल ही नहीं पा रहे तो वहीं रुक जाना चाहिए। मैं पहले दिन में 8-9 घंटे ट्रेनिंग करती थी, लेकिन अब मेरे घुटने 1-2 घंटे में ही जवाब दे देते हैं। इसके बाद सूजन आ जाती है। इसलिए मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया। मैं अब अपना करियर और नहीं खींच सकती।

विराट और रोहित शर्मा का हो सकता है 'डिमोशन'!

ए+ कैटेगरी खत्म करने की तैयारी कर रहा बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अपने वार्षिक सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम में बड़े बदलाव की तैयारी में है। न्यूज एजेंसी एएनआई के विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट संरचना में सबसे प्रीमियम ए+ कैटेगरी को स्क्रैप यानी हटाने/बंद करने करने का प्रस्ताव है। यदि ऐसा होता है, तो भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज, विराट कोहली और रोहित शर्मा नए मॉडल में 'ग्रेड बी' में रखे जा सकते हैं। चयन समिति, जिसका नेतृत्व पूर्व क्रिकेटर अजीत अगरकर कर रहे हैं, उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट स्ट्रक्चर को सरल और प्रैक्टिकल बनाने की दिशा में बदलाव सुझाए हैं।

ए+ कैटेगरी हटेगी

केवल 3 कैटेगरी होंगी- ए, बी या सी ए+ कैटेगरी में आने वाले खिलाड़ियों की वार्षिक सैलरी अभी सात करोड़ रुपये है। इसे हटाकर संरचना को अधिक परफॉर्मेंस-आधारित बनाने की कोशिश मानी जा रही है। अगली अपेक्स काउंसिल मीटिंग में इस प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लग सकती है। कोहली और रोहित सिर्फ वनडे पर फोकस करते हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय से दोनों 2024 में संन्यास ले चुके हैं। टेस्ट से भी दोनों ने पिछले साल संन्यास ले लिया था।

अभी की कॉन्ट्रैक्ट संरचना कैसी है?

ये कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ खिलाड़ियों को एक साल का वेतन देने का जरिया नहीं हैं, बल्कि यह बीसीसीआई का एक सुव्यवस्थित मॉडल है जिसके जरिए प्रदर्शन, निरंतरता, क्रिकेट के अलग-अलग प्रारूपों में योगदान और चयनकर्ताओं के मूल्यांकन के आधार पर खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में बीसीसीआई ने कई चौंकाने वाले फैसले भी लिए, जिसकी कभी सराहना हुई तो कभी आलोचना झेलनी पड़ी। केंद्रीय अनुबंध में जगह बनाने के लिए बीसीसीआई ने पिछले चक्र में कुछ बदलाव भी किए थे। बीसीसीआई ने जब साल 2024-2025 के लिए खिलाड़ियों के वार्षिक अनुबंध की सूची का एलान किया था, तो उस लिस्ट में कुल 34 खिलाड़ी थे। चार खिलाड़ियों को ए+ ग्रेड में रखा गया था। वहीं, छह खिलाड़ियों को ए ग्रेड में रखा गया था। पांच खिलाड़ी बी ग्रेड और 19 खिलाड़ी सी ग्रेड में थे।

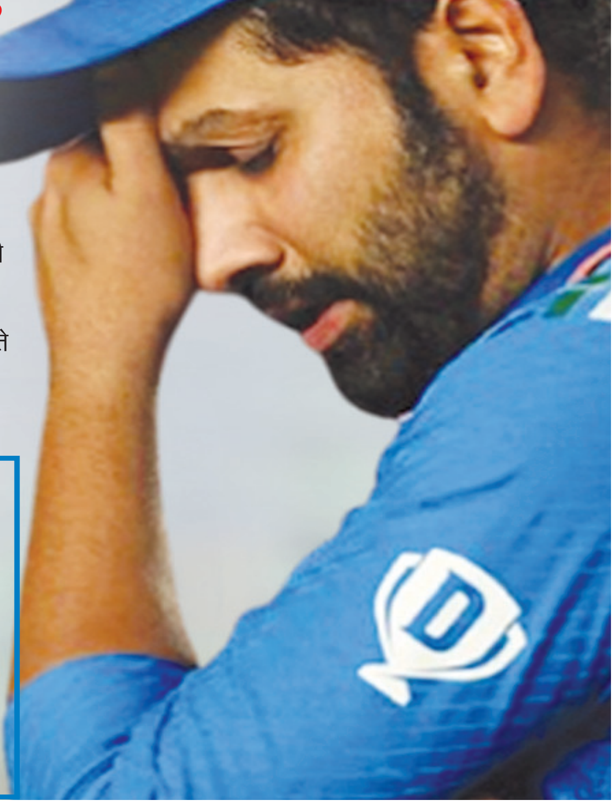

तीन मैच बदल देंगे श्रेयस की तकदीर!

टी20 में वापसी तो हुई, पर क्या विश्वकप टीम में जगह बना पाएंगे!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वनडे उप-कप्तान श्रेयस अय्यर ने फिर से टी20 टीम में जगह बना ली है। चयनकर्ताओं ने उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ 21, 23 और 25 जनवरी को होने वाले तीन टी20 मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। वह तिलक वर्मा की जगह टीम में आए हैं, जो फिलहाल चोट से जूझ रहे हैं। वापसी का यह समय बेहद अहम है, क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप में अब एक कुछ ही दिनों का समय बचा है। चोटें और फॉर्म किसी भी बड़े टूर्नामेंट का समीकरण बदल सकती हैं, इसलिए चयनकर्ता अनुभवी विकल्पों को तैयार रख रहे हैं।श्रेयस का यह पहला टी20 कॉल-अप 2023 में ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद आया है। 2024 वर्ल्ड कप से ठीक पहले उन्हें ड्रॉप किया गया था, जो उनके लिए बड़ा झटका था। इसके बाद उन्होंने आईपीएल में करियर की नई ऊंचाइयाँ छुईं। 2024 में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया और 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया। व्यक्तिगत तौर पर, आईपीएल 2025 उनका सुनहरा सीजन रहा।

श्रेयस ने 604 रन बनाए और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 175 और औसत 50.33 का रहा। इस दौरान उन्होंने छह अर्धशतक लगाए। श्रेयस ने 43 चौके और 39 छक्के जड़े। सबसे खास बात यह रही कि धीमी पिचों पर स्पिन पर उनकी पकड़ मजबूत दिखी। कोच राहुल द्रविड़ ने कुछ साल पहले श्रेयस के स्वभाव पर कहा था, 'उनकी सबसे बड़ी खासियत उनका टेम्परामेंट है। दबाव में भी वो खुद को बेहतर तरीके से संभालते हैं।' यह बयान आज भी उनके करियर के साथ फिट बैठता है। 2024 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारत की टी20 टीम का स्तर और चयन दोनों बदला है। लगातार सीरीज जीत, नई प्लेइंग कॉम्बिनेशन और प्रदर्शन की निरंतरता ने जगह पाना और मुश्किल बना दिया है।

टीम इंडिया के लिए राहत की खबर

सर्जरी के बाद स्टार बल्लेबाज तिलक ने शुरू की ट्रेनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से ठीक पहले टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर सामने आई है। स्टार टी20 बल्लेबाज और टीम के डिज़ाइनेटेड नंबर-3 तिलक वर्मा ने सर्जरी के बाद फिजिकल ट्रेनिंग दोबारा शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तिलक जल्द ही भारत के लिए मैदान पर वापसी कर सकते हैं और उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी दो टी20 मुकाबलों के लिए टीम में शामिल किया गया है। तिलक वर्मा को विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के दौरान टेस्टिकुलर टॉर्शन की समस्या के चलते सर्जरी करानी पड़ी थी। इसी कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20द्व सीरीज के पहले तीन मुकाबलों से बाहर हो गए थे।

चौथे T20 में वापसी का लक्ष्य

एक सूत्र के अनुसार, 'अगर सब कुछ ठीक रहा तो तिलक 28 जनवरी को विशाखापट्टनम में होने वाले चौथे टी20 से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। उन्होंने फिजिकल ट्रेनिंग शुरू कर दी है और एक-दो दिन में बल्लेबाज़ी और अन्य स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग भी शुरू कर देंगे।' फिलहाल बल्लेबाज़ी शुरू नहीं, दर्द भी नहीं रिपोर्ट में बताया गया है कि तिलक फिलहाल बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं, लेकिन उन्हें किसी तरह का दर्द महसूस नहीं हो रहा है। वह जल्द ही बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचेंगे.

1 से 2 लाख होने में लगे 14 महीने, एक ही महीने में 2 से बढ़कर 3 लाख हुआ भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी की कीमत में जबरदस्त तेजी आई हुई है। पिछले दो कारोबारी दिनों में इसमें करीब 30 हजार रुपये की तेजी आई है। एक दिन पहले ही यानी सोमवार को इसने 3 लाख रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था। एमसीएक्स पर मंगलवार को भी इसमें 7000 रुपये से ज्यादा की तेजी आई। इस तेजी के साथ चांदी की कीमत प्रति किलो 3.17 लाख रुपये से ज्यादा हो गई। इसमें तेजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल यानी 2025 में इसमें करीब 170 प्रतिशत की तेजी आई। इसे दो लाख रुपये से बढ़कर तीन लाख रुपये तक पहुंचने में मात्र एक महीने का ही समय लगा। चांदी की कीमत पिछले कुछ समय में बहुत तेजी से बढ़ी है। इसे एक लाख से बढ़कर दो लाख रुपये तक पहुंचने में 14 महीने का समय लगा। अक्टूबर 2024 में चांदी की कीमत बढ़कर 1 लाख रुपये प्रति किलो हो गई थी। इसके बाद चांदी में जबरदस्त तेजी आती गई। कई दिन ऐसे रहे जब इसमें लगातार बढ़ोतरी देखी गई। करीब 12 महीने बाद यानी दिसंबर 2025 में यह बढ़कर प्रति किलो 2 लाख रुपये के आंकड़े पर पहुंच गई। चांदी को 1 से 2 लाख रुपये तक पहुंचने में बेशक 14 महीने का समय लगा हो, लेकिन 2 लाख से 3 लाख तक पहुंचने ने इसे सिर्फ एक महीना ही लगा। एमसीएक्स पर दिसंबर 2025 में चांदी की कीमत 2 लाख रुपये प्रति किलो हो गई थी। वहीं यह कल यानी 19 जनवरी को 3 लाख रुपये के आंकड़े पर पहुंच गई। ऐसे में इसे 2 लाख से 3 लाख रुपये के आंकड़े तक पहुंचने में करीब एक महीने का ही समय लगा। चांदी में तेजी की सबसे बड़ा कारण वैश्विक तनाव और इसकी इंडस्ट्री में बढ़ती डिमांड है। अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापारिक विवाद बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

जियो ने आईपीओ को लेकर बढ़ाया एक और कदम

मुंबई। जियो प्लेटफॉर्म आईपीओ का इंतजार कर रहे निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार मॉर्गन स्टेनले और गोल्डमैन सैक्स को प्रस्तावित जियो आईपीओ के लिए लीड बैंकर्स नियुक्त किया गया है। मार्केट के एक्सपर्ट्स का मानना है कि सबसे बड़े टेलीकॉम आईपीओ की वैल्यूएशन 133 बिलियन डॉलर से 182 बिलियन डॉलर रह सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, वित्त मंत्रालय के परमिशन का इंतजार कर रही है। फाइनेंस मिनिस्ट्री की तरफ से क्लियरेंस मिलने के बाद कंपनी आईपीओ के लिए आवेदन करेगी। आईपीओ में प्राइमरी इश्यू के साथ-साथ सेकेंड्री सेल्स भी किए जाने की संभावना है। केकेआर, टीपीजी, सिल्वर लेकर और विस्ता पार्टनर्स आईपीओ के जरिए अपनी हिस्सेदारी जियो में घटा सकते हैं। वहीं, गूगल (7.75 प्रतिशत) और मेटा (9.99 प्रतिशत) की तरफ से अपनी हिस्सेदारी को बरकरार रखा जा सकता है। इसके अलावा जियो में 0.7 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले इंटेल की तरफ से भी शेयरों को बेचा जा सकता है। जियो प्लेटफॉर्म ने 2020 में 1.5 लाख करोड़ रुपये कंपनी ने जुटाए थे। इंवेस्टर्स से पैसा जुटाया था। इन पैसों के लिए कंपनी 33 प्रतिशत हिस्से को बेचा था। गूगल (अल्फाबेट) और मेटा प्लेटफॉर्म (पहले फेसबुक) ने इस फंड राउंड के दौरान 7.73 प्रतिशत और 9.99 प्रतिशत को हासिल किया था। दोनों कंपनियों ने क्रमश: 4.5 बिलियन डॉलर और 9.99 बिलियन डॉलर का फंड दिया। था। रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 93 रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है। इसी रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि कंपनी का प्राइस बैंड 435 रुपये के आस-पास हो सकता है।

लगातार 10वें दिन भी गिरा ओला का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के शेयर मंगलवार, 20 जनवरी को लगातार 10वें सत्र में भी गिरावट है। मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) हरीश अबिचंदानी के इस्तीफे के बाद शेयर में एक और 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई और यह 33.82 रुपये पर आ गया। इस 10-दिवसीय मंदी के दौरान शेयर ने लगभग 22 प्रतिशत की कमी दर्ज की है। ओला ने सोमवार को एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि हरीश अबिचंदानी के 19 जनवरी, 2026 की शाम से कंपनी के सीएफओ पद से इस्तीफे दे दिया है। अबिचंदानी ने अपने इस्तीफे के पीछे निजी कारण बताए हैं। साथ ही, बोर्ड ने दीपक रस्तोगी की नियुक्ति सीएफओ के रूप में मंजूर की है, जो 20 जनवरी, 2026 से प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक और

वरिष्ठ प्रबंधन टीम का हिस्सा भी होंगे। रस्तोगी इससे पहले प्रॉपर्टी डेवलपर पुरवंकरा के ग्रुप फाइनेंस चीफ थे। इससे पहले दिसंबर में, ओला में वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिक और बिजनेस हेड - सेल, विशाल चतुर्वेदी ने भी निजी प्रतिबद्धताओं के कारण अपना इस्तीफा दे दिया था। इस साल के पहले तीन ट्रेडिंग सेशन को छोड़कर, ओला इलेक्ट्रिक का शेयर जनवरी के अन्य सभी सत्रों में नीचे रहा है, जिससे इसमें 6 प्रतिशत की मासिक गिरावट दर्ज हुई है। यह ईवी निर्माता कंपनी के लिए लगातार चौथा मासिक नुकसान है, जो 2024 में अपने शेयर बाजार में एंट्री के बाद से अधिकांश समय से गिरावट के दौर में है। जनवरी के पहले कुछ सत्रों में दिसंबर के लिए बिक्री के मजबूत आंकड़े पेश करने के बाद शेयर अपने ऑल-टाइम लो स्तर 30 रुपये के आसपास से ऊपर उठा था। ओला ने कहा कि दिसंबर में 9,020 वाहनों के रजिस्ट्रेशन के साथ, कंपनी ने नवंबर 2025 के 7.2 प्रतिशत की तुलना में दिसंबर में अपना बाजार हिस्सा बढ़ाकर 9.3 प्रतिशत कर लिया। इसके अलावा, वाहन डेटा के अनुसार, दिसंबर 2025 के दूसरे पखवाड़े में कंपनी का बाजार हिस्सा बढ़कर लगभग 12 प्रतिशत हो गया।

रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर सिंह ब्रदर्स में मची है रार?

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख फार्मा कंपनी रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर्स भाई शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह एक बार फिर से आमने-सामने आ गए हैं। मामला फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढाल चैरिटेबल सोसायटी का है। एक समय भारत की हेल्थकेयर इंडस्ट्री में बड़ा नाम कमा चुके दोनों भाई के झगड़े अब आम हो गए हैं। साल 2019 में दोनों भाइयों को जापानी कंपनी दाइची सांक्यो केस में अवमानना का दोषी पाया गया था। दवा बनाने वाली दाइची सांक्यो ने 3500 करोड़ रुपये नहीं चुकाने पर सिंह बंधुओं के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

इस बार दोनों भाइयों के बीच राजन ढाल चैरिटेबल सोसायटी को लेकर रार मची है। मालविंदर की पत्नी जापना सिंह का आरोप है कि शिविंदर और उनकी पत्नी

500 करोड़ रुपये का है मामला

अदिति ने फर्जीवाड़ा कर उन्हें और अन्य मेंबर्स को सोसायटी से बाहर कर दिया है। इसके जरिए 500 करोड़ रुपये के वसंत कुंज स्थित फोर्टिस राजन ढाल अस्पताल और उसके सालाना 30 करोड़ रुपये के रेवेन्यू पर कब्जा कर लिया है। आज शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह बेशक आमने-सामने हों, लेकिन एक समय दोनों भाइयों की देश के हेल्थकेयर सिस्टम पर मजबूत पकड़ थी। साल 1937 में रणबीर और गुरबक्स नाम के दो चचेरे भाइयों ने मिलकर दवाओं के डिस्ट्रिब्यूशन की एक कंपनी की शुरुआत की। रणबीर के नाम का शुरुआती अक्षर और गुरबक्स के नाम के आखिरी अक्षरों को मिलाकर इसका नाम रैनबैक्सी पड़ा। साल 1952 में उन्होंने यह कंपनी भाई मोहन सिंह को बेच दी। उनके बाद उनके बेटे परविंदर सिंह ने कंपनी की कमान संभाली और इसने खूब तरक्की की। साल 2000 में परविंदर सिंह के निधन के बाद उनके दोनों बेटे मालविंदर और शिविंदर ने कंपनी का जिम्मा संभाल लिया। मालविंदर सिंह और शिविंदर सिंह रैनबेक्सी, फोर्टिस हेल्थकेयर और रेलिगेयर इंटरप्राइजेज के मालिक रह चुके हैं। बाद में दोनों भाइयों को वक्त ने ऐसी चोट दी की वे दिवालिया हो गए। साल 2008 में उन्होंने रैनबैक्सी में अपनी हिस्सेदारी जापान की कंपनी दाइची सांक्यो को 9576 करोड़ रुपये में बेच दी। इससे मिले पैसों में से उन्होंने साल 2009-10 में 2,000 करोड़ रुपये कर्ज और टैक्स चुकाने में खर्च किए। वहीं 1,700 करोड़ रुपये अपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी रेलिगेयर में और 2,230 करोड़ रुपये अपने हॉस्पिटल चेन फोर्टिस में निवेश किया। बाद में मंदी के कारण उन्हें काफी घाटा हुआ। कर्ज भी हो गया। अप्रैल 2010 में दोनों भाइयों को रेलिगेयर के बोर्ड से निकाल दिया गया। साल 2012 में दाइची ने सिंगापुर के इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन में की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)